सच की सशक्त आवाज़

सत्य • निष्पक्ष • निर्भीक

युग सृष्टि

हिंदी दैनिक

RNI No. 127408

जन-जन की आवाज़, युग की सृष्टि

वर्ष : 13, अंक : 297 | लखनऊ, सोमवार 28 सितम्बर 2026 | पेज - 8 | मूल्य : 2 रूपया

आज का भारत आतंक बर्दाश्त नहीं करता, करारा जवाब देता है', मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को %मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के 138वें एपिसोड में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद, जनगणना और विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल समेत कई मुद्दों का जिक्र किया।

पीएम मोदी ने कहा कि 28 सितंबर को 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब वह भारत नहीं है, जो आतंकवाद को बर्दाश्त करे। आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और आतंकवादियों की ओर से भारत पर आंख उठाने पर करारा जवाब दिया जाएगा।

%मन की बात' के 138वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को याद करते हुए कहा कि उस समय भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार जाकर जो शौर्य दिखाया, उसे देखकर दुनिया हैरान थी। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक दशक में सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक और %ऑपरेशन सिंदूर' तक भारत ने बार-बार स्पष्ट संदेश दिया है कि अगर आतंकवादी भारत पर आंख उठाएंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले देश में सीरियल ब्लास्ट होना आम बात थी, लेकिन आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति लेकर चल रहा है और इसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं।

जनगणना का भी किया जिक्र

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने जनगणना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। उत्तराखंड में जनगणना की शुरुआत चमोली के माणा गांव से हुई। पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने 15 अगस्त को भी देशवासियों से आग्रह किया था कि जनगणना के लिए अपना समय जरूर निकालें।

सीएम योगी ने सपा-कांग्रेस को बताया सनातन विरोधी, कहा रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे रहें सावधान

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर के शिलान्यास व रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेसी व सपाई नहीं गए, क्योंकि उन्हें भय था कि कहीं जालीदार टोपी छिटक न जाए। उन्होंने चेताया कि रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। वह रविवार को गोमतीनगर के एक स्कूल में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंहल के जन्म शताब्दी वर्ष (1926-2026) के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में अशोक सिंहल के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

सीएम ने कहा कि गुलामी के चिह्नों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना है। रामद्रोही अयोध्या को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों का खुद को राम भक्त ठहराने का प्रयास करना विश्व हिंदू परिषद की वैचारिक विजय है।

अशोक सिंघल ने जिस ज्योति को 1980 के दशक में प्रज्ज्वलित किया था, वह ज्वाला बनकर सकल हिंदू समाज के संरक्षण व संवर्धन के लिए अहर्निश लगी है। वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग करने के दौरान आरएसएस के संपर्क में आए औरसनातन धर्म के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उनके जीवन का एक ही संकल्प था कि जब तक राम का काम नहीं होगा, तब तक विश्राम नहीं लूंगा। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में बिखरे हुए समाज को एकजुट किया।

2 नवंबर 1990 को रामभक्तों पर तत्कालीन रामद्रोही सरकार ने गोलियां चलवाईं, तब अशोक सिंहल सीना तानकर खड़े हो गए। उनका सपना अब भव्य राम मंदिर के रूप में दिख रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन मंत्रालय ने दिल्ली में चलाया स्वच्छता अभियान की सफदरजंग के मकबरे पर सफाई

नई दिल्ली ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। विश्व पर्यटन दिवस पर केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने रविवार को %स्वच्छता ही सेवा 2026% अभियान के तहत दिल्ली के सफदरजंग इलाके में मकबरे पर सफाई अभियान चलाया। इस पहल का मकसद स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और भारत की धरोहरों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस अभियान में पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी और प्रमुख हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन संस्थानों के लगभग 200 छात्र और फैकल्टी सदस्य शामिल हुए। भाग लेने वाले संस्थानों में आईएचएम पूसा, इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट (आईसीआई) नोएडा, एनसीएचएमसीटी, आईआईटीटीएम नोएडा और एआईएचएम शामिल थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हर साल 27 सितंबर को %विश्व पर्यटन दिवस% मनाया जाता है। आज भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय विश्व पर्यटन दिवस मना रहा है। इस मौके पर 16 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाए जा रहे %स्वच्छता पखवाड़ा% के तहत, सफदरजंग मकबरे पर कई संस्थाओं, टूरिस्ट गाइड फेडरेशन और मंत्रालय के अधिकारियों व कर्मचारियों की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद और भड़काऊ बयानबाजी मामले में पुलिस ने चार लोगों को भेजा नोटिस

संभल ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद और कथित भड़काऊ बयानबाजी को लेकर प्रशासन ने चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली, भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सिंघल, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क और एआईएमआईएम नेता शकील अहमद शामिल हैं। जिला प्रशासन ने सभी लोगों को तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश होने का नोटिस जारी किया है। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार के अनुसार, 23 सितंबर को संभल और

नखासा थाने से पुलिस की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। रिपोर्ट को 25 सितंबर को उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस रिपोर्ट में सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों से की गई बयानबाजी के कारण दो समुदायों के बीच शांति व कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। जफर अली के संबंध में पुलिस ने पूर्व में की गई बयानबाजी और दर्ज मुकदमों का भी उल्लेख किया है।

प्रशासन की ओर से जारी नोटिस में चारों को तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। साथ ही, छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए 20 हजार रुपए की जमानत अथवा इतनी ही धनराशि का स्वयंबंध पत्र लिए जाने के संबंध में जवाब मांगा गया है। बताया गया है कि मामला भाजपा नेता राजेश सिंघल के रहटौल गांव में रामलीला मंच से दिए गए बयान के बाद गरमाया। सिंघल ने बयान में कहा था कि संभल में अब मस्जिद नहीं, मंदिर बनेंगे और हरिहर मंदिर जाने वालों पर गोली नहीं, पुष्प वर्षा होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ 28 सितंबर को होशियारपुर कांग्रेस कार्यालय में होगा धरना-प्रदर्शन- डैनी बंडाला

होशियारपुर ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। पंजाब कांग्रेस कमेटी के को-प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सूरज ठाकुर ने शनिवार को होशियारपुर जिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आपसी मनमुटाव भुलाकर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी बंडाला और कार्यकारी अध्यक्ष संगत सिंह गिलजियां खास तौर पर इस मीटिंग में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए सूरज ठाकुर ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक प्रधानों और कार्यकर्ताओं से हलका स्तर की विस्तृत रिपोर्ट ली, उनका फीडबैक सुना और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अलग-अलग बैठकर चर्चा भी की।

प्रेमानंद महाराज के शिष्य की आश्रम की चौथी मंजिल से गिरकर मौत, प्राइवेट पार्ट कटने से गहराया रहस्य

वृंदावन ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। वृंदावन के विख्यात संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम %गुरु कृपा कुंज' से एक बेहद सनसनीखेज और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण की आश्रम की चौथी मंजिल से नीचे गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 10¬30 बजे हुई इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल शिष्य को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना में सबसे हैरान करने वाली बात यह सामने आई है कि मृतक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था, जिससे पूरा मामला बेहद रहस्यमयी हो गया है।

सिर और शरीर पर गंभीर चोटें, अस्पताल में तोड़ा दम मिली जानकारी के अनुसार, शिष्य का असली नाम दीपक लोधी था और वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। आश्रम में वह रसिक दुलारी शरण के नाम से साधना कर रहे थे। शुक्रवार सुबह अचानक वह आश्रम की चौथी मंजिल से नीचे आ गिरे। फर्श पर गिरने के कारण उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद आश्रम के सेवादार उन्हें आनन-फानन में स्थानीय सर्वोदय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

प्राइवेट पार्ट कटने से गहराया रहस्य, हत्या या आत्महत्या की उलझन

प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, लेकिन प्राइवेट पार्ट कटे होने के तथ्य ने पुलिस और जांच एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या शिष्य ने खुद अपना गुप्तांग काटने के बाद चौथी मंजिल से छलांग लगाई या फिर इसके पीछे कोई गहरी साजिश है। पुलिस इस बिंदु पर भी गंभीरता से पड़ताल कर रही है कि क्या यह आत्महत्या है या हत्या की किसी वारदात को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंची।

फॉरेंसिक टीम ने आश्रम परिसर और घटनास्थल से अहम साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की सूचना काफी देर से पुलिस तक पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है । और मध्य प्रदेश में रह रहे परिजनों को

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बवाल!, रेप के बाद छात्रा की खुदकुशी की अफवाह पर भड़के छात्र; तोड़फोड़ और आगजनी

जालंधर ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (रुक्क) में शनिवार देर रात बड़ी संख्या में छात्रों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया पर छात्रों की ओर से शेयर किए गए वीडियो और तस्वीरों में कैंपस में भारी भीड़ और प्रदर्शन दिखाई दिया। यह विरोध गर्ल्स हॉस्टल से जुड़े एक गंभीर मामले को लेकर किया गया। सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों में एक छात्रा के कथित रेप और इसके बाद आत्महत्या करने की बात कही गई। हालांकि, इन दावों की पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। वहीं, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सोशल मीडिया पर फैल रही इन बातों को झूठा, निराधार और मनगढ़ंत बताया है।

सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में इस

मामले को लेकर एक कर्मचारी पर भी आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब इससे एक दिन पहले पटियाला के पास चितकारा यूनिवर्सिटी में भी छात्रों के विरोध प्रदर्शन का मामला सामने आया था।

इस मामले में एसएसपी गौरव तूरा ने कहा कि एक वायरल मैसेज के जरिए एक अपुष्ट घटना की जानकारी सामने आई थी। कुछ छात्रों ने छात्रा के आत्महत्या करने का दावा किया, जबकि कुछ ने उसके साथ रेप की बात कही। पुलिस को इस घटना की पुष्टि करने वाला अब तक कोई सबूत नहीं मिला है और पुलिस के पास रेप को लेकर कोई शिकायत भी नहीं आई है।

प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन में करीब 2,000 छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन गर्ल्स हॉस्टल के पास शुरू हुआ था।

इसके बाद कुछ छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और यूनिवर्सिटी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

एसआईआर में नाम कटा, तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर- चुनाव आयोग का बड़ा फैसला; अब तक 13.37 करोड़ नाम

नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं की सुविधा के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। आयोग की शनिवार को हुई बैठक में तय किया गया कि अनमैप्ड और लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के मामलों में नोटिस पाने वाले लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ/एईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी। आयोग की बैठक 26 सितंबर को दोपहर तीन बजे हुई। बैठक में लिए गए फैसलों के अनुसार, ऐसे लोगों के घर जाकर बूथ लेवल

अधिकारी (बीएलओ) दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। इसके बाद संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) दस्तावेजों के आधार पर फैसला करेंगे। आयोग ने कहा कि केवल विशेष परिस्थितियों में, ईआरओ के निर्णय के अनुसार, सुनवाई आयोजित की जाएगी और इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराया जाएगा। यदि सुनवाई की आवश्यकता पड़ती है तो मतदाता अपने परिवार के किसी भी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से अधिकृत कर सकता है। आयोग ने ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को और मजबूत करने का भी फैसला किया है। जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिया गया है कि वे जरूरत के अनुसार पर्याप्त संख्या में हेल्प डेस्क स्थापित करें या विशेष शिविर आयोजित करें। इन सुविधाओं का लाभ रैन बसेरों में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों, बेघर लोगों और अन्य जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा। आयोग ने कहा कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 के साथ संलग्न घोषणा को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। वहीं, एसआईआर अवधि के बाहर मतदाता पंजीकरण के लिए निर्वाचन नियम, 1960 के तहत लागू फॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग ने कहा कि फील्ड अधिकारियों को उनकी वैधानिक शक्तियों के अनुरूप ईसीआईनेट प्रणाली में भूमिका-आधारित पहुंच दी गई है। ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त

बेकाबू थार ने ई-रिक्शा के उड़ाए परखच्चे, अस्पताल में दम तोड़ते ही चालक छोड़ भागे रईसजादे; 3 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

मुरादाबाद ,27 सितंबर ,(आरएनएस)। मुरादाबाद-आगरा स्टेट हाईवे पर रुस्तम नगर के पास एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां सड़क किनारे शांति से खड़े एक ई-रिक्शा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार थार ने भीषण टक्कर मार दी। इस खौफनाक भिड़ंत में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और चालक लहूलुहान होकर सड़क पर दूर जा गिरा। पूरी दुर्घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका खौफनाक वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

टक्कर के बाद चालक को अस्पताल पहुंचाकर फरार हुए सवार

हादसे के बाद थार सवार लोग तुरंत मौके से भागने के बजाय गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को अपनी गाड़ी में डालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलारी लेकर पहुंचे। हालांकि, जैसे ही डॉक्टरों ने घायल की नब्ज टटोली और जांच शुरू की, थार सवार मौका पाकर वहां से खिसक लिए। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद घायल चालक की जान नहीं बचाई जा सकी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा साया, परिजनों में कोहराम अस्पताल से मौत की सूचना मिलते ही मृतक चालक के घर में मातम पसर गया और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो

एक नजर

मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से घाट, मंदिर और दुकानें जलमग्न; स्कूल-कॉलेज बंद, जारी किया गया अलर्ट

चित्रकूट । उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से घाट, मंदिर और दुकानें जलमग्न हो गए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से बचाव दल तैनात किए गए हैं और स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया। स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने आईएएनएस से बातचीत की। आईएएनएस से बातचीत करते हुए एक स्थानीय शख्स ने कहा, मध्य प्रदेश में बीते तीन-चार दिन से बारिश हो रही है, जिसकी वजह से पानी इकट्ठा हुआ और कल से लगातार पानी बढ़ रहा है। कल शाम तक रामघाट की आधी दुकानें डूब गई थीं। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि मंदाकिनी नदी का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। जिससे खतरा बढ़ गया है। स्थानीय शख्स जानकी केसरवानी ने कहा, मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से हम लोगों की परेशानी पढ़ गई है। हम लोगों ने दुकान खाली कर दी है और पूरी रात जागते रहे हैं। मंदाकिनी का पानी हमारी दुकान तक आ गया था। जब तक बारिश होगी बाढ़ के खतरे की आशंका बनी रहेगी। प्रशासन की ओर से हमको कुछ मदद नहीं मिलती, बल्कि दुकानें गिराने के लिए बोला जा रहा है। हम लोग कहां जाएंगे?

स्थानीय निवासी दिनेश कुशवाहा ने कहा, चित्रकूट में दो-तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है, जिसकी वजह से मां मंदाकिनी का जलस्तर रात में बढ़ गया था। जलस्तर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। ऐसे में अगर हर बार पानी आता रहेगा तो चित्रकूट में तो पानी ही पानी रह जाएगा। जलस्तर बढ़ने से प्रशासन सक्रिय हुआ है, जिलाधिकारी के नेतृत्व में पूरी टीम लगी हुई है। लोग स्नान कर रहे हैं और हर घाट पर प्रशासन अलर्ट है। लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो रही है।

दिनेश कुशवाहा ने आगे कहा, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की ओर से बताया जा रहा है कि घाट से दूर रहें। उन्होंने कहा कि लोगों को पानी से दूर रहना चाहिए। पानी का बहाव कब तेज हो जाए, यह किसी को नहीं पता।

लुधियाना में अमरजीत चावला के घर पुलिस की रेड, रेप मामले में नामजद; पूछताछ जारी

लुधियाना । महिला से रेप के आरोप में नामजद एसजीपीसी के पूर्व सदस्य अमरजीत सिंह चावला के लुधियाना स्थित घर में पंजाब पुलिस की टीम ने छापेमारी की है।

जानकारी के मुताबिक रेड के दौरान चावला घर पर नहीं मिले, जिसके बाद पुलिस टीम ने घर में उनकी पत्नी से पूछताछ की। पुलिस की यह कार्रवाई सुबह करीब 8¬30 बजे शुरू हुई। अमरजीत सिंह चावला का घर मॉडल टाउन एक्सटेंशन में वीआईपी लेन के पास स्थित है।

इस छापेमारी के लिए आनंदपुर साहिब से 10 से 15 पुलिस अधिकारियों की एक बड़ी टीम लुधियाना पहुंची है। पुलिस टीम में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पूरी टीम सुबह 3 गाड़ियों के काफिले में यहां पहुंची और आते ही घर में जांच शुरू कर दी। फिलहाल घर के अंदर पुलिस की पूछताछ और तलाशी अभियान जारी है।

बता दें थाना आनंदपुर साहिब में 21 अगस्त 2026 को रेप के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। उसमें मुख्य आरोपी अमरजीत सिंह चावला है। आज थाना आनंदपुर साहिब की टीम मुकदमे के बारे में इन्वेस्टिगेशन के लिए आई। इनके फैमिली मेंबर्स, इनकी पत्नी घर पर मौजूद मिली हैं।

जलभराव–कीचड़ में लालगंज तहसील,जिम्मेदारों की अनदेखी पर सवाल

संवाददाता

लालगंज(रायबरेली)। तहसील मुख्यालय जहां प्रतिदिन सैकड़ों फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं,वहीं इन दिनों खुद तहसील परिसर ही अव्यवस्थाओं से जूझता नजर आ रहा है।बारिश के बीच परिसर के कई हिस्सों में जलभराव और चारों ओर पसरे कीचड़ ने फरियादियों के साथ ही अधिकारियों, लेखपालों, अधिवक्ताओं और कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तहसील परिसर के मुख्य गेट के आसपास तो इंटरलॉकिंग की व्यवस्था दिखाई देती है,लेकिन परिसर के अन्य किनारों और हिस्सों में स्थिति इसके बिल्कुल उलट नजर आती है।बारिश के बाद कीचड़ और पानी के बीच लोगों को आवाजाही करने में परेशानी उठानी पड़ रही है।ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब तहसील मुख्यालय की मूलभूत व्यवस्थाएं ही दुरुस्त नहीं हैं तो यहां आने वाले फरियादियों को किस तरह की सुविधा मिल रही होगीद्य तहसील सूत्रों के अनुसार बारिश के दिनों में अभिलेख कार्यालय की दीवारों से पानी रिसकर अंदर पहुंच रहा है।इससे कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।महत्वपूर्ण अभिलेखों और सरकारी कामकाज वाले कार्यालय में पानी का रिसाव व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करता है।उल्लेखनीय है कि उपनिबंधक कार्यालय व कानूनगो कार्यालय के सामने भी भारी कीचड़ है,जहां इंटरलॉकिंग बनवाया जाना चाहिए था लेकिन अभी तक इंटरलॉकिंग नहीं लगी या यूं कहें कि जिम्मेदारों ने अभी तक सुध नहीं ली।तहसील सूत्रों का दावा है कि नकल लेखन कार्यालय भी बारिश के पानी से अछूता नहीं है।कार्यालय में पानी आने के कारण कर्मचारियों को महत्वपूर्ण सरकारी कामकाज तिरपाल लगाकर करने को विवश होना पड़ रहा है। बारिश के दौरान कार्यालय में पानी पहुंचने से जहां कर्मचारियों को काम करने में दिक्कत होती है,वहीं अभिलेखों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। तहसील परिसर में रोजाना अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों और आम जनता तक की आवाजाही होती है।इसके बावजूद परिसर की जलनिकासी,कीचड़ और भवनों में पानी के रिसाव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान न होना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों और तहसील आने वाले फरियादियों का कहना है कि जब तहसील मुख्यालय की व्यवस्थाएं ही बारिश में चरमरा जाएं तो आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है।अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी तहसील परिसर की बदहाल व्यवस्था को कब तक नजर अंदाज करते हैं और जलभराव,कीचड़ तथा कार्यालय में पानी के रिसाव की समस्या से कब निजात दिलाई जाती है।

नकटी नदी में उफान से तुलसीपुर शहर में घुसा बाढ़ का पानी, बाजारों में दो फीट तक जलभराव

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर के तहसील तुलसीपुर नगर से सटी पहाड़ी नदी नकटी में उफान आने के बाद रविवार को शहर में पानी भर गया है। बाजार में बाढ़ का पानी घुस गया है। भारी बारिश के कारण पहले से ही नगर के नाले ओवरफ्लो हो रहे थे। जानकारी चार दिनों की लगातार बारिश के बाद रविवार को मौसम साफ हुआ, लेकिन नगर के कई इलाकों में जलभराव बना हुआ है। नदी में उफान से लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कत हो रही है। नई बाजार चौक में करीब दो फीट तक पानी जमा है। बैरागीपुरवा, थाना मोड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर और पुरानी बाजार समेत कई जगहों पर जलभराव है। सरस्वती शिशु मंदिर, तुलसीपुर पब्लिक स्कूल, बसंतलाल इंटर कॉलेज और तहसील परिसर भी पानी से प्रभावित हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अदनान फिरोज ने बताया कि अत्यधिक बारिश से यह स्थिति बनी है। नगर पंचायत के कर्मचारी पानी निकालने का काम तेजी से कर रहे हैं। रविवार को बारिश रुकने के बाद लोगों को जलस्तर कम होने की उम्मीद है।

एसएसबी 50वीं वाहिनी ने किया निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर के इंडो नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल 50वीं वाहिनी द्वारा सीमावर्ती गांव बेनी नगर मे निःशुल्क ह्न्क्ष मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में 89 परिवार लाभान्वित हुए । जानकारी के अनुसार 24 सितंबर को सशस्त्र सीमा बल 50 वीं वाहिनी के ÷क्क़ समवाय महादेव बुजुर्ग अंतर्गत बेनी नगर गांव में डॉक्टर लीला, सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) 50वीं वाहिनी द्वारा निःशुल्क ह्न्क्ष मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीमावर्ती लोगों का निःशुल्क जाँच किया गया एवं दवाइयों का वितरण किया गया । इस दौरान ग्रामीण लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया। चिकित्सा शिविर में 89 परिवार लाभान्वित हुए जिनमें 22 पुरुष, 40 महिला तथा 27 बच्चे शामिल थे ।

अर्नब तूफान के कारण जिले में तीन से हो रही बारिश और चल रही तेज हवाएं

बलरामपुर। जिले लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त ही चुका है। वही लगातार चल रही तेज आंधी जिले से सभी हिस्सों सैकड़ो पेड़ गिर जाने से तमाम रस्ते बाधित हो गए। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में बिजली के खम्भों के गिरने जिले की विद्युत व्यस्था भी चरमरा गई है।

बताते चले कि बंगाल की खाड़ी में उठे अर्नब तूफान के कारण पूरे उत्तर भारत में लगातार तीन दिनों से बारिश कहर मचाए हुए है। जनपद बलरामपुर में मौसम विभाग द्वारा रेड अलर्ट जारी किया है और लोगों से एहतियात बरतने की अपील की गई है। वहीं लगातार हो रही बारिश और तेज हवाएं किसानों के लिए बहुत नुकसानदायक साबित हो रही। धान और गन्ने की फसलें हवाओं के कारण गिर गई है जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है। वही बिजली के खम्भों के गिरने के पूरे जिले की विद्युत सप्लाई भी बाधित हो गई है। जबकि जिले की प्रमुख नदी राप्ती का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। समाचार लिखे जाने तक नदी का जलस्तर खतरे के निशान 1.50 मीटर नीचे था। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने बताया कि जनपद में अत्यधिक बारिश एवं मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट के दृष्टिगत जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सभी विभागों द्वारा निरंतर राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। भारी बारिश एवं तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिरने तथा मकानों के क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रभावित परिवारों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वही वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, पुलिस बल, विद्युत विभाग एवं सभी उपजिलाधिकारी लगातार फील्ड में रहकर कार्य कर रहे हैं। सड़कों पर गिरे पेड़ों को तत्काल हटवाकर आवागमन सुचारु कराया जा रहा है। विद्युत विभाग द्वारा अतिरिक्त संसाधन एवं टीमें लगाकर युद्धस्तर पर विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी जनपदवासियों से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें। पेड़ों के नीचे खड़े न हों, जलभराव वाले स्थानों तथा नदी-नालों के आसपास जाने से बचें। प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

डीएम ने रद्द की जिले के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां

बलरामपुर। जनपद में विगत तीन दिनों से आंधी-तूफान एवं अतिवृष्टि के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत

जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने जनपद के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं। साथ ही सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में राहत, बचाव एवं पुनर्बहाली कार्य युद्धस्तर पर सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि अतिवृष्टि एवं तेज हवाओं के कारण जनपद में बड़ी संख्या में पेड़ एवं विद्युत पोल गिरने, विद्युत लाइनों के क्षतिग्रस्त होने तथा अन्य परिसंपत्तियों को नुकसान पहुंचने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड, विद्युत विभाग, जिला विकास अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों के साथ तत्काल राहत एवं पुनर्बहाली कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने निर्देशित किया कि पुनर्बहाली कार्यों के लिए आवश्यकतानुसार जेसीबी, डंपर, क्रेन, ट्रैक्टर-ट्रॉली, श्रमिक, मानव संसाधन एवं अन्य आवश्यक मशीनरी की तत्काल व्यवस्था की जाए। इसके लिए शासकीय, अर्द्धशासकीय, स्थानीय निकाय एवं आवश्यकता पड़ने पर निजी स्रोतों से भी संसाधन अधिग्रहित किए जा सकेंगे। जिलाधिकारी ने विद्युत आपूर्ति की बहाली को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्षतिग्रस्त विद्युत पोल, लाइनों एवं अन्य विद्युत परिसंपत्तियों की मरम्मत तथा पुनर्स्थापना के लिए आवश्यक मानव संसाधन, मशीनरी एवं सामग्री की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आवश्यकता पड़ने पर मंडल स्तर से भी अतिरिक्त संसाधन प्राप्त किए जाएंगे।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से 24म7 आधार पर पुनर्बहाली कार्य संचालित करने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि राहत एवं पुनर्बहाली कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी तत्परता के साथ फील्ड में रहकर कार्य करें, ताकि जनपद में प्रभावित आवश्यक सेवाओं को शीघ्र सामान्य किया जा सके तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सेवाओं की बहाली एवं राहत कार्यों को लेकर जिलाधिकारी द्वारा लगातार किया जा रहा है फील्ड में निरीक्षण

बलरामपुर। जनजीवन सामान्य करने तथा सभी आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित किए जाने हेतु जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन द्वारा लगातार विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर राहत एवं पुनर्बहाली कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा विशेष रूप से विद्युत आपूर्ति की बहाली, सड़कों पर आवागमन सुचारू करने, नदी के जलस्तर एवं संभावित कटान की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

डीएम द्वारा तहसील सदर के ग्राम जमालीजोत पहुंचकर राप्ती नदी के संभावित कटान की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति का भी जायजा लिया तथा ग्रामीणों से वार्ता कर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के स्टोर का निरीक्षण कर विद्युत आपूर्ति की बहाली हेतु उपलब्ध ट्रांसफॉर्मर, विद्युत पोल, तार एवं अन्य आवश्यक सामग्री का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिवृष्टि एवं तेज हवाओं के कारण विद्युत व्यवस्था प्रभावित होने वाले सभी क्षेत्रों में मरम्मत एवं पुनर्बहाली हेतु आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी क्षेत्र में सामग्री की कमी के कारण विद्युत आपूर्ति बहाली का कार्य बाधित नहीं होना चाहिए। वहीं जिलाधिकारी ने बलरामपुर-उतरौला मार्ग पर क्षतिग्रस्त 33/11 केवी विद्युत लाइन के पुनर्बहाली कार्य का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुनर्बहाली कार्य में पर्याप्त संख्या में तकनीकी कर्मचारी एवं अतिरिक्त टीमें लगाई जाएं। आवश्यकतानुसार हाइड्रा एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए युद्धस्तर पर कार्य पूर्ण किया जाए।

राहगीरों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

लखीमपुर-खीरी। गोला-लखीमपुर हाईवे-730 पर निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार का नजारा सामने आया है। गोला रेलवे क्रॉसिंग के पास करीब छह माह पहले लाखों की लागत से बना नवनिर्मित ओवरब्रिज पहली बारिश भी नहीं झेल पाया और शनिवार रात अचानक धंस गया। सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंसने से बीचोबीच गहरा गड्ढा बन गया, जिससे निर्माण की गुणवत्ता की पोल खुल गई है।रात के समय व्यस्त हाईवे पर अचानक गड्ढा बनने से बड़े हादसे का खतरा पैदा हो गया था। गनीमत रही कि कुछ जागरूक राहगीरों ने सूझबूझ दिखाई। उन्होंने एक डंडे पर लाल टी-शर्ट बांधकर गड्ढे के पास खड़ा कर दिया, जिससे अंधेरे में आ रहे वाहन चालकों को दूर से ही खतरे का संकेत मिल गया और बड़ा हादसा टल गया।

सूचना मिलते ही गोला के प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल गड्ढे के आसपास बैरिकेडिंग कराकर यातायात को नियंत्रित किया और वाहनों को सुरक्षित निकाला। वहीं हादसे के बाद कार्यदायी संस्था में हड़कंप मच गया और नगर पालिका से जेसीबी मंगवाकर रात में ही खानापूर्ति के लिए मरम्मत का काम शुरू करा दिया गया।महज छह महीने में नई सड़क के धंसने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है और मानकों को ताक पर रखकर काम किया गया। यह सीधे-सीधे सरकारी धन के बंदरबांट और भ्रष्टाचार का मामला है।स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। लोगों ने मांग की है कि सड़क निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री के सैंपल की जांच कराई जाए और दोषी कार्यदायी संस्था व संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। अतिवृष्टि और तेज हवाओं के बाद शनिवार को डीएम अंजनी कुमार सिंह खुद स्थलीय निरीक्षण पर निकले। वह सबसे पहले ईदगाह मोहल्ले पहुंचे, जहां तेज आंधी के कारण एक बड़ा पेड़ झुक गया था और आसपास के मकानों पर गिरने का खतरा बना हुआ था। उक्त पेड के झूकने से मोबिन का तीन मंजिलें पर पर टीन शेड छतिग्रत हो गया डीएम ने

मौके पर वन विभाग की टीम पेड़ को काटने में जुटी थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने तत्काल एहतियात बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने आसपास के घरों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने को कहा, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं।

डॉ. विनय भदौरिया का एकल काव्यपाठ एवं अभिनंदन समारोह सम्पन्न

लालगंज, रायबरेली। नगर के प्रतिष्ठित होटल महावीर इन में राष्ट्रीय नवगीतकार डॉ. विनय भदौरिया का एकल काव्यपाठ एवं अभिनंदन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं ने डॉ. भदौरिया का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार लालगंज पवन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि लालगंज सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमल पटेल रहे। इस अवसर पर राष्ट्र मंगल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं युवा कवि वाई.पी. सिंह ने कहा कि डॉ. विनय भदौरिया के गीतों में मिट्टी की खुशबू, किसान-मजदूर का दर्द और राष्ट्रप्रेम की अनुभूति एक साथ देखने को मिलती है। कार्यक्रम में कलम शक्ति ट्रस्ट, बैसवारा साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था, सत्या ब्रदर्स, सनातन संस्कार फाउंडेशन भोजपुर सहित कई संस्थाओं ने डॉ. भदौरिया का सम्मान किया।काव्यपाठ के दौरान चित्रकूट के वरिष्ठ साहित्यकार नारायण तिवारी और फतेहपुर के उमाकांत मिश्र ने भी अपनी रचनाओं की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में साहित्य, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह, डॉ. महादेव सिंह, अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना', सुरेश आचार्य, आशीष प्रताप सिंह, राजेश सिंह, अवनेन्द्र सिंह, हरिनाम सिंह, शिवतोष संघर्षी, हैपी मिश्रा, डॉ. शैलेश प्रताप सिंह, उदय बाजपेई, राघवेंद्र सूर्यवंशी, उमेश सिंह, वीरेंद्र मिश्र, वीरेंद्र शुक्ल, राहुल वर्मा, मनीष जायसवाल एवं आनंद सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पटरी के बीच लेटा युवक, ऊपर से गुजर गई ट्रेन

डलमऊ, रायबरेली डलमऊ क्षेत्र के नाथखेड़ा गांव में बनी रेलवे क्रॉसिंग के पास उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब नशे की हालत में एक युवक रेलवे पटरी के बीचे लेट गया। इसी दौरान कानपुर से रायबरेली की ओर जा रही पैसेंजर ट्रेन उसके ऊपर से गुजर गई। गनीमत रही की कोई हादसा नहीं हुआ और युवक बाल-बाल बच गया।

उन्नाव ऊंचाहार रेलखंड के के मध्य डलमऊ क्षेत्र के नाथ खेड़ा गांव के पास पड़ने वाली रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूरी पर गांव निवासी टिंकू पुत्र अजय पाल उम्र लगभग 28 वर्ष अत्यधिक शराब के नशे में होने की वजह से रेल की पटरिया के बीच लेट गया उसी समय कानपुर से रायबरेली के लिए जा रही पैसेंजर ट्रेन 54154 जैसे ही नाथ खेड़ा गांव के पास पहुंची तभी लोको पायलट की नजर पटरी के बीच लेटे युवक पर पड़ी तो ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकने का प्रयास किया लेकिन ट्रेन स्पीड में होने की वजह से उसके ऊपर से निकलते हुए आगे बढ़ गई गनीमत रही की युवक ट्रेन की चपेट में नहीं आया अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद लोको पायलट ने इसकी सूचना ड्यूटी पर तैनात स्टेशन अधीक्षक डलमऊ को दी। स्टेशन अधीक्षक की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पटरी के बीच पड़े युवक को बाहर निकाला। इस संबंध में चौकी इंचार्ज मुराई बाग अमरेश द्विवेदी ने बताया कि युवक अत्यधिक नशे की हालत में पटरिया के बीच लेट गया था कठोर हिदायत देकर युवक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

जहरीले जंतु के काटने से बच्ची की मौत, परिवार में मचा कोहराम

डलमऊ, रायबरेली। जहरीले जंतु के काटने से एक 11 वर्षी बच्ची की मौत हो गई घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया घर वालों का रो रो कर बुरा हाल है वहीं सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के घुरवारा चौकी अंतर्गत गुलहाबाद मजरे तेरूखा गांव निवासी मनोज कुमार की पुत्री नैन्सी (11) शनिवार रात करीब एक बजे घर में सो रही थी। उसी दौरान किसी जहरीले जंतु ने उसे डस लिया। परिजन पहले बच्ची को झाड़-फूंक के लिए ले गए। हालत में सुधार न होने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। उसके बाद परिजन बच्ची को लेकर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में हालत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बच्ची की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एसएसबी कॉलोनी मुख्य मार्ग पर दो बिजली पोल और पेड़ गिरे, रास्ता बाधित

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में आदर्श नगर पंचायत तुलसीपुर के इटवा चौराहा स्थित एसएसबी कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर कल तेज आंधी-बारिश के दौरान दो बिजली के पोल और दो बड़े पेड़ गिर गए हैं। हादसे से मुख्य मार्ग पूर्ण रूप से बाधित हो गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी शासन-प्रशासन का कोई भी कर्मचारी मौके पर देखने तक नहीं आया है। सड़क पर गिरे पोल और पेड़ों के कारण लोगों का आना-जाना बंद है और बिजली आपूर्ति भी ठप पड़ी है। कॉलोनीवासियों ने नगर पंचायत और विद्युत विभाग से तत्काल मार्ग को खुलवाने और बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

अपनी जमीन देकर सुलझाया श्मशान का विवाद

लखीमपुर-खीरी। पसगंवा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मुल्लापुर की प्रधान सविता मिश्रा ने विकास की मिसाल पेश की है। ग्रामीणों के अनुसार श्मशान घाट के बीच में किसान सुधीर पुत्र रामाधीन की करीब डेढ़ बीघा जमीन पड़ने से लंबे समय से विवाद बना हुआ था, जिससे अंतिम संस्कार में परेशानी होती थी। इस पर प्रधान ने अपनी निजी चार बीघा उपजाऊ जमीन किसान को देकर बदले में उसकी डेढ़ बीघा जमीन ली और उसे श्मशान घाट के लिए सार्वजनिक कर दिया।ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान ने सरकारी बजट के अलावा अपनी निजी धनराशि से गांव में बरातघर का निर्माण कराया है और बाजार की बाउंड्रीवॉल भी बनवाई है। गांव में हुए विकास कार्यों को लेकर उनकी पूरे ब्लॉक में चर्चा हो रही है। वहीं, सोशल मीडिया पर प्रधान के खिलाफ लग रहे आरोपों को ग्रामीणों ने निराधार बताया। गांव के लोगों का

जानलेवा हुई सड़कें! लखनऊ में महज आठ महीने में हजारों हादसे और सैकड़ों मौतें, आंकड़े उड़ा देंगे होश

संवाददाता

लखनऊ । सड़क सुरक्षा के लिहाज से राजधानी की स्थिति चिंताजनक है। जनवरी से अगस्त तक शहर में सड़क दुर्घटनाओं, मृतकों और घायलों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस दौरान 1,264 हादसे हुए, जिनमें 478 लोगों की मौत और 1,011 लोग घायल हुए।

राजधानी लखनऊ में शनिवार को मंडलायुक्त कार्यालय में हुई मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में आंकड़ों की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने हादसों पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के

उपाय प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। लखनऊ संभाग में लखनऊ के अलावा उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और हरदोई जिले शामिल हैं।

लखनऊ में हादसे और मौत दोनों बढ़े जनवरी-अगस्त 2025 की तुलना में 2026 में लखनऊ में हादसे 1,130 से बढ़कर 1,264 हो गए। मृतकों की संख्या 432 से बढ़कर 478 और घायलों की संख्या 801 से बढ़कर 1011 हो गई। वहीं, संभाग में कुल हादसे 4,437 से घटकर 4,400 हुए, लेकिन मृतकों की संख्या 2,359 से बढ़कर 2,396 हो गई।

मंडलायुक्त ने तीन या इससे अधिक मौत वाले हादसों के स्थलों की विस्तृत केस स्टडी कराने के निर्देश दिए। इसमें सड़क की स्थिति, वाहनों की गति, चालक की लापरवाही, यातायात व्यवस्था, रोशनी और दृश्यता समेत हादसे के कारणों की पड़ताल होगी। उन्होंने कहा कि केवल ब्लैक स्पॉट चिह्नित करना पर्याप्त नहीं है। हादसे के वास्तविक कारण के आधार पर स्थायी सुधार कराया जाए।

लखनऊ में 75, मंडल में 273 ब्लैक स्पॉट सितंबर तक लखनऊ में 75 ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं। इनमें एनएचएआई की सड़कों पर 16, नेशनल हाईवे पर एक और पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 54 ब्लैक स्पॉट हैं। मंडल में कुल 273 ब्लैक स्पॉट चिह्नित हैं। इनमें एनएचएआई की सड़कों पर 98, नेशनल हाईवे पर 21 और पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 150 हैं। हिट एंड रन में लखनऊ में 51 मामले

जनवरी से अगस्त तक मंडल में 149 हिट एंड रन के मामले दर्ज हुए, जिनमें 125 का निस्तारण किया जा चुका है। लखनऊ में सबसे अधिक 51 मामले सामने आए, जिनमें 43 का निस्तारण हो चुका है। हरदोई में 49, लखीमपुर खीरी में 22, सीतापुर में 16, रायबरेली में नौ और उन्नाव में दो मामले दर्ज हुए। मंडलायुक्त ने पुराने मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण कर पात्र मृतकों के आश्रितों और घायलों को आर्थिक सहायता दिलाने के निर्देश दिए।

मंडल में 10,395 स्कूली वाहन दर्ज हैं। इनमें 7,088 विद्यालयों के नाम पंजीकृत और 3,307 अनुबंध पर संचालित हैं। कुल 575 वाहनों की फिटनेस और 525 के परमिट खत्म हो चुके हैं। लखनऊ में 253 वाहनों की फिटनेस और 118 के परमिट खत्म मिले।

पीडीए का कोई भविष्य नहीं-केशव

लखनऊ/नई दिल्ली27 सितम्बर।दिल्ली प्रस्थान से पूर्व उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों द्वारा की जा रही बयानबाजी पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसईआर से संबंधित निर्णय मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दोनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी सहित विपक्ष के नेताओं द्वारा इस विषय पर की गई बयानबाजी के लिए उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए और दुष्प्रचार की राजनीति बंद करनी चाहिए। देश और प्रदेश की जनता को भ्रमित करने की राजनीति अधिक समय तक नहीं चल सकती।बोले, एक गांव में एक व्यक्ति रहता था, जो बिना भेड़िया आए बार-बार चिल्लाता था 'भेड़िया आया, भेड़िया आया।' जब वास्तव में भेड़िया आया तो उसकी मदद के लिए कोई नहीं पहुंचा। विपक्ष के नेताओं की स्थिति भी कुछ ऐसी ही हो गई है। झूठ इतना ही बोलना चाहिए जितना जनता के बीच चल सके, विपक्ष के लोग सत्ता वियोग में झूठ बोलने की ऑटोमैटिक मशीन बन चुके हैं। जनता अब दुष्प्रचार और झूठ की राजनीति को समझ चुकी है।उन्होंने कहा कि पीडीए का कोई भविष्य नहीं है। भाजपा ही वास्तविक अर्थों में समाज के हर वर्ग, गरीब, किसान, नौजवान, महिला और वंचित समाज की सेवा कर रही है और आगे भी करती रहेगी। आज अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने अशोक सिंघल को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि वे श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे और उन्होंने रामभक्तों तथा हिंदू समाज को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अशोक सिंघल के योगदान और रामभक्तों के लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप आज श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हुआ है। उन्होंने हिंदू समाज में जागरण, राष्ट्रभाव और श्रीराम भक्ति की चेतना को व्यापक रूप से आगे बढ़ाने का कार्य किया। उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके योगदान का स्मरण करना हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

समय है, खुद पार्टी छोड़कर चले जाओ

बीजेपी के संपर्क वाले नेताओं पर बरसे अखिलेश

लखनऊ 27 सितम्बर।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन नेताओं को कड़ा और साफ संदेश दिया है, जो कथित तौर पर बीजेपी के साथ संपर्क में हैं।अखिलेश ने दो टूक कह दिया है कि जिन नेताओं के मन में पार्टी छोड़ने का विचार चल रहा है, उनके पास अभी भी पूरा समय है और वे खुद पार्टी छोड़कर जा सकते हैं। सपा प्रमुख के तल्ख तेवर से पार्टी के भीतरखाने मचे घमासान और संभावित दलबदल को लेकर सियासी गलियारों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। अखिलेश ने जता दिया है कि पार्टी लीडरशिप की नजर हर गतिविधि और नेता की हर चाल पर पूरी तरह से बनी हुई है।सिर्फ बागी तेवर वाले नेताओं को ही नहीं बल्कि न्यूज चैनलों की डिबेट में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रवक्ताओं को भी अखिलेश यादव ने कड़ी नसीहत दी है। सपा अध्यक्ष ने प्रवक्ताओं को निर्देश दिया कि बिना तैयारी के किसी भी बहस में पार्टी का पक्ष बिल्कुल न रखें। आज के दौर में सोशल मीडिया की महज 10 सेकंड की एक रील से ही किसी भी पार्टी की छवि पलभर में बनती और बिगड़ जाती है। टीवी बहसों में उतरने वाले प्रवक्ताओं को हवा-हवाई बातें करने के बजाय ठोस फैक्ट्स और पुख्ता तर्कों के साथ बात रखनी चाहिए।

सूत्रों की माने तो टीवी डिबेट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, जनता के बीच पार्टी की छवि और आने वाले चुनावी मुद्दों पर प्रवक्ताओं की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने अपने प्रवक्ताओं को चेताया कि वे किसी भी विरोधी दल के नेगेटिव एजेंडे और जाल में फंसने से बचें। धर्म और जाति जैसे बेहद संवेदनशील मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बोलते समय विशेष सावधानी और संयम बरतना चाहिए। हर छोटी-बड़ी बात या मुद्दे पर बोलना बिल्कुल भी जरूरी नहीं है, बल्कि कई बार समझदारी दिखाते हुए चुप रहना भी पार्टी के हित में बेहतर साबित होता है। बिना नाम लिए अखिलेश ने साफ कर दिया कि उन्हें पता है कि कौन-कौन भीतरखाने क्या कर रहा है। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते सपा अध्यक्ष का सख्त रुख पार्टी को मजबूत करने और अनुशासन बनाए रखने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

इंटरनेशनल ट्रेड शो – सजा 75 जिलों की 75 महिला उद्यमियों का ग्रामीण बाजार

संवाददाता

लखनऊ 27 सितंबर।आगरा की जरी-जरदोजी, अमरोहा के मसाले, अयोध्या की हर्बल चाय, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, कन्नौज का इत्र, गोरखपुर की टेराकोटा ज्वेलरी और बनारस के कालीन ट्रेड शो में नाम कमा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गांवों और कस्बों में महिलाओं के हाथों तैयार हो रहे उत्पाद अब स्थानीय हाट-बाजार की सीमा से निकलकर बड़े बाजार की ओर बढ़ रहे हैं। ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के 75 जिलों से पहुंची स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों ने अपने हुनर से उत्तर प्रदेश की ऐसी ही तस्वीर सामने रखी है।यहां सिर्फ उत्पाद नहीं बिक रहे, बल्कि हर स्टॉल के साथ किसी गांव, किसी परंपरागत कला और उसे रोजगार में बदलने वाली महिला की कहानी भी जुड़ी है। आगरा की रहनुमा जरी-जरदोजी लेकर पहुंची हैं तो अमरोहा की कौशल्या गौतम के पिसे मसाले अपनी महक बिखेर रहे हैं। अयोध्या की रेणु सिंह की हर्बल चाय और लेमन ग्रास के उत्पाद हैं तो आजमगढ़ की रीता प्रजापति ब्लैक पॉटरी को बड़े बाजार के सामने लेकर आई हैं। कन्नौज की तारावती के पास इत्र है, जबकि वाराणसी की सीता देवी कालीन, फुटमैट और रनर के जरिए बनारस के हुनर की नुमाइंदगी कर रही हैं।यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए यह भागीदारी महज प्रदर्शनी तक सीमित नहीं है। यहां उन्हें अपने उत्पाद बेचने के साथ ग्राहक की पसंद समझने, पैकेजिंग और प्रस्तुति देखने तथा बड़े बाजार में अपने उत्पाद की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिल रहा है।प्रदेश के एक छोर से दूसरे छोर तक बदलते ही उत्पाद भी बदल रहे हैं। कहीं परंपरागत शिल्प बाजार में जगह बना रहा है तो कहीं गांव की महिलाओं ने रोजमर्रा की जरूरत के उत्पादों को अपने उद्यम का आधार बनाया है। गोरखपुर की सरोज पाल टेराकोटा ज्वेलरी लेकर आई हैं तो सहारनपुर की सुधा सैनी लकड़ी के हस्तशिल्प और खिलौनों के साथ ट्रेड शो में पहुंची हैं। प्रयागराज की तब्बसुम मकसूद मूंज से टोकरी, डलिया और सजावटी सामान तैयार कर रही हैं। प्रतापगढ़ की प्रज्ञा जायसवाल आंवला-मुरब्बा और आम का अचार लेकर आई हैं। महोबा की रानी के स्टॉल पर पीतल की मूर्तियां और दूसरे शिल्प उत्पाद हैं।सिद्धार्थनगर की सरोज देवी ने केले के रेशे को उद्यम में बदलकर बनाना फाइबर उत्पाद तैयार किए हैं। सोनभद्र की मधुबाला हर्बल साबुन, शहद, फिनाइल और जूट बैग के साथ पहुंची हैं, जबकि खीरी की शफीका जूते, चप्पल और बेल्ट जैसे उत्पाद लेकर आई हैं।चित्रकूट की प्रिया सिंह के लकड़ी के खिलौने, बुलंदशहर की शाहजहां की खुर्जा पॉटरी, कन्नौज की तारावती का इत्र, मथुरा की रेखा के टेराकोटा और मिट्टी के उत्पाद तथा ललितपुर की लीला देवी के गोमय उत्पाद इस विविधता को और विस्तार देते हैं।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि ट्रेड शो में महिला समूहों की उद्यमशीलता का दायरा केवल पारंपरिक हस्तशिल्प तक सीमित नहीं है। चंदौली की अंजू जरी-जरदोजी सिल्क बनारसी साड़ी, सूट और दुपट्टे लेकर आई हैं। बाराबंकी की शशि माला चिकनकारी, आर्टिफिशियल आभूषण, रायबरेली की रूबी बानो हैंड ब्लॉक प्रिंट के सूट, साड़ी और दुपट्टे तथा मऊ की माधुरी देवी सिल्क साड़ी प्रदर्शित कर रही है। बलिया की रंजना देवी फिनाइल, टॉयलेट क्लीनर, डिशवॉश और हैंडवॉश लेकर आई हैं।

राष्ट्र, धर्म और भारतीय संस्कृति की सेवा के लिए समर्पित रहा अशोक सिंघल का जीवन- केशव

लखनऊ 27 सितम्बर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सरकारी आवास सात-कालिदास मार्ग पर श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के पुरोधा एवं विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के अवसर पर उनके स्मृति-चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने अशोक सिंघल के राष्ट्र, धर्म, भारतीय संस्कृति एवं समाज के प्रति समर्पित जीवन का स्मरण करते हुए उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक याद किया।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अशोक सिंघल जैसे विराट व्यक्तित्व के धनी महापुरुष युगों में जन्म लेते हैं। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म और भारतीय संस्कृति की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनका जीवन त्याग, तपस्या, समर्पण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है। अशोक सिंघल ने अपने कार्यों और विचारों के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रभाव को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन-जन की आस्था, चेतना और सहभागिता से जोड़ने में अशोक सिंघल की भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने श्रीरामजन्मभूमि से जुड़े जनआंदोलन को व्यापक सामाजिक चेतना का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रीराम के प्रति उनकी अटूट आस्था और भारतीय संस्कृति के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। अशोक सिंघल ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण को समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित किया। उनका व्यक्तित्व केवल एक संगठन या आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि वे भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और राष्ट्रहित के प्रति निरंतर कार्य करने वाले महान व्यक्तित्व थे। अशोक सिंघल का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्र और समाज के हित में किया गया समर्पण कभी व्यर्थ नहीं जाता, बल्कि वह पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। अशोक सिंघल जी की जन्मशताब्दी उनके विचारों, आदर्शों और राष्ट्रसेवा के संकल्प को स्मरण करने का अवसर है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अशोक सिंघल जैसे विराट व्यक्तित्व एक जन्म में ही अनेक जन्मों से अधिक कार्य कर जाते हैं। उनकी राष्ट्रसेवा, सांस्कृतिक चेतना और समाज के प्रति समर्पण को सदैव याद किया जाएगा।

रंगीन शिमला मिर्च से शहद तक, ट्रेड शो में चमका मेरठ का कृषि कारोबार

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा 27 सितंबर।इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में मेरठ की खेती और कृषि आधारित उद्यमिता लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उद्यान विभाग के आउटलेट पर मेरठ के किसानों की पॉलीहाउस में तैयार फसल, फूल और शहद के उत्पादों को देखकर देश-विदेश से आए खरीदार और आगंतुक जानकारी ले रहे हैं। जरबेरा और गुलाब के फूलों के साथ कमल ककड़ी, शिमला मिर्च और बैंगन जैसी फसलों ने लोगों का ध्यान खींचा है। खास बात यह है कि प्रदर्शनी में उत्पादों के प्रदर्शन के साथ किसानों को नए बाजार और कारोबार के अवसर मिल रहे हैं।सरधना तहसील के खेड़ा गांव निवासी रविन्द्र कुमार पांच एकड़ क्षेत्र में पॉलीहाउस के माध्यम से फल और सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने संरक्षित खेती को अपनाया। इससे उनके कृषि कारोबार का सालाना आंकड़ा 29 लाख रुपये से अधिक पहुंच गया है। उनके पॉलीहाउस में 300 से 400 ग्राम तक वजन वाली पीली, हरी और लाल शिमला मिर्च तैयार हो रही है। इस फसल की दिल्ली की आजादपुर मंडी में मांग है।रविन्द्र कुमार ने बताया कि वह पिछले वर्ष भी ट्रेड शो में शामिल हुए थे। प्रदर्शनी में अपने उत्पादों को बाजार और खरीदारों के सामने रखने से उन्हें नई पहचान मिली। इस बार भी कई इवेंट कंपनियों ने जरबेरा और गुलाब के फूलों की आपूर्ति के लिए उनसे संपर्क किया है। कुछ कंपनियों की ओर से समझौता ज्ञापन एमओयू के लिए भी बातचीत की गई है। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भी उद्यान विभाग के आउटलेट का निरीक्षण कर किसानों के उत्पाद देखे और उनका उत्साहवर्धन किया। आउटलेट पर मेरठ की फसलों के साथ कृषि से जुड़े अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं।उद्यान विभाग के आउटलेट पर मेरठ के रेनट्रॉव नैचुरल के शहद उत्पाद भी लोगों की रुचि का केंद्र बने हुए हैं। युवा उद्यमी राखी अघेरा और उनके भाई भारत अघेरा ने बताया कि पिछले वर्ष कंपनी को इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम से 46 टन शहद का आर्डर मिला था। ट्रेड शो में इस बार भी उन्हें नए कारोबार और बेहतर आर्डर मिलने की उम्मीद है।

यूपी में स्कूल ठीक करो, शिक्षा व्यवस्था पर सीजेपी ने की चर्चा

लखनऊ 27 सितम्बर। काकरोच जनता पार्टी ने लखनऊ के राजधानी गेस्ट हाउस में वालंटियर मीट-यूपी का आयोजन किया गया। बैठक में लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह, नार्थ जोन कोआर्डिनेटर मुहम्मद फ़रहान ख़ान, उज्वल पांडेय और आज़ाद मोहित सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक में उत्तर प्रदेश के ÷स्कूल ठीक करो÷ अभियान, सरकारी स्कूलों की स्थिति और शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर चर्चा हुई। रत्ना सिंह ने स्वयंसेवकों से स्कूलों और स्थानीय समुदायों के साथ संवाद बनाए रखने की अपील की।मुहम्मद फ़रहान ख़ान ने सेक्युलर भारत और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए काम करने की बात कही। उज्वल पांडेय ने पब्लिक सेक्टर, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत बताई।रत्ना सिंह ने ईसीआई और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े जनहित के मुद्दे उठाए और कहा कि इन मुद्दों पर जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। आज़ाद मोहित ने भी इसी बात का समर्थन करते हुए ईसीआई और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े जनहित के मुद्दों पर संगठन की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया।सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2 अक्टूबर को मुंबई में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की।सीजेपी ने कहा कि संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, जनहित, चुनावी जागरूकता और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर देशभर में काम जारी रखेगा।

दर्दनाक बनीं 72 घंटे से हो रही लगातार बारिश, शनिवार शाम तक 58 मौतें, इन जिलों में आज भी रेड अलर्ट

लखनऊ। यूपी में चक्रवाती बारिश अब समस्या बन गई है। लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन के साथ-साथ फसल भी प्रभावित हो रही है। बारिश के कारण हुए हादसों में प्रदेश भर में 58 लोगों की जान चली गई। तराई के नौ जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तर प्रदेश में शनिवार को बारिश ने आफत का रूप ले लिया। तराई , बुंदेलखंड और अन्य इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई और करीब 10 जिलों में 200 मिलीमीटर से अधिक पानी बरसा। रविवार की सुबह लखनऊ सहित आसपास के जिलों में हल्की बारिश का क्रम जारी है। बारिश के असर से कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया। बरेली में अधिकतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सितंबर के प्रेक्षण इतिहास में सबसे कम है। इटावा, शाहजहांपुर, मुरादाबाद और आगरा में भी सितंबर का अब तक का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश के संकेत हैं। मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत और बरेली में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तराई के नौ अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के 27 जिलों में गरज-चमक के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। शनिवार को लखीमपुर खीरी में सर्वाधिक 342 मिलीमीटर बारिश हुई। सीतापुर में 273.2, बांदा में 245.6 और बहराइच में 239 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार आधी रात के बाद शुरू हुआ बारिश का सिलसिला शनिवार शाम तक भी नहीं थमा। इतना बरसा कि बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। कई जगह कच्चे मकान ढह गए। जगह-जगह पेड़, पोल गिरने से रास्ते बाधित हो गए। बिजली के पोल उखड़ने और लाइन टूटने से आपूर्ति बाधित हुई।

बारिश के कारण हुए हादसों में प्रदेश भर में 58 लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश के संकेत हैं। मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत और बरेली में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तराई के नौ अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कानपुर में 45 साल का रिकार्ड टूटा शनिवार को लखीमपुर खीरी में सर्वाधिक 342 मिमी बारिश हुई। सीतापुर में 273.2, बांदा में 245.6 और बहराइच में 239 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बांदा और हमीरपुर में एक दिन की बारिश का अब तक का रिकार्ड टूट गया। हमीरपुर में 210 मिमी और बांदा में 245.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। कानपुर में 45 साल का रिकार्ड टूटा। 175.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

बारिश से हुए हादसों में सबसे ज्यादा 26 मौतें अवध के जिलों में हुईं। इनमें सीतापुर में छह, बहराइच में पांच, बलरामपुर, अयोध्या में चार-चार, बाराबंकी में तीन, गोंडा में दो, अमेठी व श्रावस्ती में एक-एक व्यक्ति की मौत शामिल है। ब्रज के क्षेत्र मैनपुरी में दो और एटा में एक की जान गई है। लखीमपुर खीरी में छह, गोरखपुर में पांच की मौत हुई है। हरदोई में चार, हमीरपुर में तीन और महोबा, बांदा, जौनपुर, संतकबीरनगर, प्रयागराज, प्रतापगढ़ में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। वहीं कानपुर में दो, फर्रुखाबाद में एक और फतेहपुर में एक मौत हुई है। लगातार बारिश से शनिवार को भी राजधानी बेहाल रही। शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गईं और कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। जलभराव के बीच वाहन लड़खड़ाते और पलटते नजर आए। पुरनिया ओवरब्रिज के नीचे गड्ढों में पानी भरने से ऑटो और ई-रिक्शा की सवारियां गिर गईं। निशातगंज गली नंबर चार में करीब 150 साल पुराना बरगद गिर गया। उदयगंज में नालियां पानी में डूबने से चार पहिया एक वाहन फंस गया। फैजुल्लागंज, जानकीपुरम, इंदिरानगर, अलीगंज और गोमतीनगर समेत कई इलाकों में भी जलभराव रहा। फैजुल्लागंज में बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। नाले-नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से भी लोगों को परेशानी हुई। राजधानी में बृहस्पतिवार शाम से लगातार बारिश हो रही है। इससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। नगर निगम के मुताबिक शहर में 125 से अधिक पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं। उत्तर रेलवे अस्पताल परिसर में पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। केकेसी के पास छत्ते वाले पुल के आगे पेड़ गिरने से एक कार की विंडस्क्रीन टूट गई। हालांकि, कहीं जनहानि नहीं हुई। नगर निगम के अनुसार जोन-1 में 13, जोन-2 में 11, जोन-3 में 10, जोन-4 में 18, जोन-5 में दो, जोन-6 में चार और जोन-7 में 11 पेड़ गिरे।

बारिश के चलते चारबाग रेलवे स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया में जलभराव हो गया। यात्रियों को पानी के बीच से प्लेटफॉर्म तक जाना पड़ा। रेलवे ट्रैक पर पानी आने से लखनऊ मंडल के कई रेलखंडों पर ट्रेनों की गति कम कर दी गई।

भारी बारिश और कम दृश्यता के कारण शुक्रवार रात लखनऊ एयरपोर्ट आने वाली छह उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। इनमें गोवा से आने वाली 6ई-6811, बंगलूरू से आने वाली 6ई-903 व आईएक्स-1541, हैदराबाद से आने वाली 6ई-6167, दिल्ली से आने वाली 6ई-6479, इंदौर से आने वाली 6ई-7422 शामिल है। इन विमानों में इंदौर की फ्लाइट को नोएडा डायवर्ट किया गया, जबकि अन्य को दिल्ली डायवर्ट किया गया। शनिवार सुबह सभी विमान लखनऊ लौट आए। यूपी में बारिश का दौर जारी, कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट! लखनऊ में जलभराव से आफत - फोटो ऱ्द्दड्डह्ल द्भड्डद्यड्ड

उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम से जनजीवन प्रभावित हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए राहत एवं बचाव व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को पूरी

टाटा मोटर्स और हेला इंडिया का अप्रेंटिसशिप व प्लेसमेंट ड्राइव

लखनऊ 27 सितंबर।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ में 30 सितंबर को युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टाटा मोटर्स लिमिटेड तथा हेला इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड द्वाराअप्रेंटिसशिप ड्राइव एवं मेगा कैंपस प्लेसमेंट अभियान आयोजित किया जाएगा। दोनों कंपनियों के लिए चयन प्रक्रिया प्रातः 10 बजे से राजकीय आईटीआई अलीगंज परिसर में होगी।टाटा मोटर्स लिमिटेड द्वारा आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। अभ्यर्थी की आयु जॉइनिंग की तिथि तक 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी का 10वीं की परीक्षा नियमित रूप से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना तथा एससीवीटी,एनसीवीटी से मान्यता प्राप्त आईटीआई एनटीसी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है।अप्रेंटिसशिप के लिए इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, टर्नर, वेल्डर, डीजल मैकेनिक, सीओपीए पासा, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, वायरमैन, मशीनिस्ट, ड्राफ्ट्समैन, ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग आदि ट्रेड के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।चयनित अभ्यर्थियों को 13,870 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड के साथ निःशुल्क कैंटीन, 10 किलोमीटर तक परिवहन सुविधा, दो सेट यूनिफॉर्म, सेफ्टी शूज एवं पीपीई उपलब्ध कराए जाएंगे। चयन प्रक्रिया में प्रोफाइल स्क्रीनिंग, इंटरव्यू, मेडिकल टेस्ट एवं दस्तावेज सत्यापन के बाद जॉइनिंग की जाएगी।हेला इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गुड़गांव, हरियाणा स्थित प्लांट के लिए डीएटी पद मैन्युफैक्चरिंग पर मेगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जाएगा। इसमें मैकेनिक, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा बीएससी उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।2020 से 2025 तक के पासआउट अभ्यर्थी पात्र होंगे। अभ्यर्थी के न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है। आयु सीमा 18 से 28 वर्ष निर्धारित है तथा पुरुष एवं महिला दोनों अभ्यर्थी इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं।चयनित अभ्यर्थियों को 17,000 से 19,000 रुपए प्रतिमाह इन-हैंड वेतन मिलेगा। इसके अतिरिक्त निःशुल्क बस परिवहन, भोजन स्नैक्स तथा 14 पेड लीव की सुविधा उपलब्ध होगी। प्लेसमेंट अधिकारी एमए खां ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे 30 सितंबर को प्रातः 10 बजे राजकीय आईटीआई अलीगंज लखनऊ परिसर में अपने आवश्यक शैक्षणिक एवं तकनीकी मूल प्रमाण पत्रों, उनकी छायाप्रतियों तथा फोटो के साथ समय से उपस्थित होकर अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के अवसर का लाभ उठाएं।

एक लाख विद्यार्थियों को सीएम योगी ने दी स्टडी टेबल

लखनऊ 27 सितंबर। किसी ने फूलों से चिट्ठी सजाई, किसी ने अपनी नई स्टडी टेबल का चित्र बनाया तो किसी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर के साथ 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश उकेरा। देवीपाटन मंडल में एक लाख बच्चों को मिली स्टडी टेबल अब उनके घर में पढ़ाई का अपना छोटा सा कोना बन रही है। इस पहल से खुश बच्चों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने हाथों से पत्र लिखकर धन्यवाद दिया है।

स्टडी टेबल पाने वाली स्वाती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे अपने पत्र में खुशी जाहिर की है। उसने लिखा कि उसे स्टडी टेबल और पढ़ने की सामग्री दी गई है, जिसके लिए वह दिल से धन्यवाद करती है।

सम्पादकीय

बदलते बस्तर की तस्वीर पर्यटन से विकास की नई राह

स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को मिल रहा विस्तार छत्तीसगढ़ का बस्तर अब अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। कभी नक्सलवाद और हिंसा के संदर्भ में चर्चा में रहने वाला यह क्षेत्र आज अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, परंपराओं और आतिथ्य के कारण पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। बदलते वातावरण के साथ बस्तर में पर्यटन, इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता के नए अवसर आकार ले रहे हैं।

बस्तर की सबसे बड़ी विशेषता यहां प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, कुटुमसर एवं कैलाश गुफाएं, मां दंतेश्वरी मंदिर, दलपत सागर और बस्तर पैलेस जैसे स्थल पर्यटकों को प्रकृति, रोमांच, अध्यात्म और इतिहास का अनूठा अनुभव देते हैं। यहां आने वाला पर्यटक केवल दर्शनीय स्थल नहीं देखता, बल्कि स्थानीय जीवन, पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, लोकनृत्य और संगीत से भी जुड़ता है। यही कारण है कि बस्तर को केवल पर्यटन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव आधारित पर्यटन के एक विशिष्ट क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

रायपुर- बस्तर का बदलता स्वरूप - पर्यटन के ज़रिए विकास की नई राह.

कनेक्टिविटी से खुल रहे विकास के नए रास्ते

पर्यटन के विस्तार के लिए बेहतर कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण आधार है। बस्तर में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को मजबूत करने के प्रयास पर्यटन की संभावनाओं को नई गति दे रहे हैं। %बस्तर 2.0' ब्लूप्रिंट में 228 नई सड़कों और 267 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव दूरस्थ क्षेत्रों तक संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट बस्तर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में रायपुर और हैदराबाद के लिए हवाई संपर्क उपलब्ध है। वहीं रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना जैसी योजनाएं भविष्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की संभावनाएं रखती हैं। बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ केवल पर्यटकों को ही नहीं मिलेगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार, ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर संपर्क और युवाओं को पर्यटन आधारित रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

होमस्टे से गांवों तक पहुंचेगा पर्यटन का लाभ

बस्तर में ग्रामीण और जनजातीय होमस्टे पर्यटन विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बन है। छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण जीवन, जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कला, हस्तशिल्प और पारंपरिक खान-पान का अनुभव देने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

होमस्टे की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पर्यटन का आर्थिक लाभ सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुंच रहा है। पर्यटकों के ठहरने के साथ भोजन, स्थानीय गाइड, परिवहन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आसपास के अन्य परिवारों के लिए भी आय के अवसर बन रहे हैं।

बस्तर में नए कमरे के निर्माण पर प्रति कमरा 1 लाख रुपये और पूर्व से निर्मित कमरे के नवीनीकरण पर प्रति कमरा 50 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है। न्यूनतम एक से अधिकतम नौ कमरों तक सहायता की व्यवस्था से ग्रामीण परिवार अपनी क्षमता के अनुसार पर्यटन गतिविधियों से जुड़ सकते हैं। वर्तमान में 85 हितग्राहियों को अनुदान हेतु बैंको को प्रस्ताव भेजी जा चुकी है, तथा 27 होमस्टे पूर्व से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ पंजीकृत हैं।

संस्कृति बनी पर्यटन की सबसे बड़ी ताकत

बस्तर की जनजातीय संस्कृति उसकी सबसे बड़ी विशिष्टताओं में शामिल है। बेलमेटल और धातु शिल्प, लकड़ी एवं बांस की कला, पारंपरिक आभूषण, नृत्य, संगीत और खान-पान देश-दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन इस सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच दे रहे हैं। वर्ष 2026 के बस्तर पंडुम में जनजातीय संस्कृति की 12 विधाओं को मंच मिला और लगभग 55 हजार आदिवासी लोगों की सहभागिता हुई। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का अवसर दिया।

आस्था से लेकर एडवेंचर तक पर्यटन की विविध संभावनाएं

बस्तर में धार्मिक, सांस्कृतिक, इको और एडवेंचर पर्यटन की संभावनाएं एक साथ मौजूद हैं। मां दंतेश्वरी मंदिर और बस्तर दशहरा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को आधार देते हैं, वहीं कांगेर घाटी और धुड़मारास जैसे क्षेत्र प्रकृति एवं रोमांच आधारित पर्यटन के लिए नए अवसर प्रस्तुत करते हैं। धुड़मारास में एडवेंचर पर्यटन, ग्लास ब्रिज और कैनोपी वॉक जैसी सुविधाओं की योजना तथा गांव का यूएन टूरिज्म बेस्ट टूरिज्म विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए चयन ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को नई पहचान दे रहा है।

रासुका दमनकारी कदम

हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टोपिया की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि फिलहाल इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दो-टूक फैसला दिया है कि सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाना दमनकारी कदम था। नोएडा प्रशासन को मालूम था कि चौधरी की गिरफ्तारी कानूनन कमजोर बुनियाद पर टिकी है, इसलिए उन्हें आसानी से जमानत मिल जाएगी। ऐसा ना हो, इसलिए बिना किसी साक्ष्य के रासुका लगा दिया गया। अब जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने ना सिर्फ रासुका को रद्द किया है, बल्कि अनुचित ढंग से इसे लगाने के लिए नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय की है। हाई कोर्ट ने चौधरी के संवैधानिक अधिकारों के हनन के एवज में पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह रकम रूपम की तनख्वाह से काटी जाएगी।

इस तरह कोर्ट ने ऐसा फैसला दिया है, जिससे गढ़ी हुई कहानी के आधार पर नागरिकों की निजी स्वतंत्रता के हनन की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लग सकती है। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व रिसर्चर आकृति को नोएडा में मजदूर आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आम लोगों से मजदूरों के पक्ष में खड़ा होने का आह्वान किया था। पुलिस ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना। हाई कोर्ट ने कहा है कि शांतिपूर्व प्रतिरोध नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, जिससे उन्हें निराधार आशंका के कारण वंचित नहीं किया जा सकता। अत- अदालत ने निर्देश दिया है कि इस मामले में दोषी अधिकारियों की सर्विस बुक में कोर्ट की नाराजगी दर्ज की जाए।

इसके अलावा न्यायाधीशों ने नौकरशाहों और पुलिस अफसरों को यह याद दिलाकर उचित चेतावनी दी है कि उनकी वफादारी भारत के संविधान के प्रति है, ना कि सत्ताधारियों की सियासत प्रति। जिस दौर में सत्ता पक्ष के सियासी हितों और प्रशासनिक अधिकारियों के व्यवहार के बीच का फासला मिटता-सा चला गया है, न्यायपालिका की ऐसी टिप्पणी को एक सामयिक एवं प्रासंगिक हस्तक्षेप माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टोपिया (दमनकारी, भययुक्त राज्य) की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि मौजूदा दौर में इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती।

प्रौद्योगिकी भारत के लिए आर्थिक परिसंपत्ति और प्रतिस्पर्धी शासन लाभ बनी

इसका आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। जेएएम ढांचे—जन धन, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी—ने सरकार और नागरिक के बीच प्रत्यक्ष डिजिटल संपर्क स्थापित किया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंचाई गई है। वहीं, डुप्लीकेट, मृत और फर्जी लाभार्थियों को हटाकर सरकारी कोष में अनुमानित 5.14 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। 2025 में किए गए एक आकलन में पाया गया कि लाभार्थियों की संख्या में 16 गुना विस्तार के बावजूद, कल्याण दक्षता सूचकांक—अर्थात सरकार द्वारा खर्च की गई राशि में से वास्तव में नागरिकों तक पहुंचने वाली राशि का अनुपात—2014 में 0.32 से बढ़कर 2023 में 0.91 हो गया।

राजीव गौबा

शासन की विफलता का कारण प्राय- नीयत की विफलता नहीं होती है। कोई सब्सिडी उदार हो सकती है, फिर भी उसके क्रियान्वयन में रिसाव की गुंजाइश रह सकती है। कोई विनियमन जनहित की भावना से बनाया गया हो सकता है, लेकिन प्रक्रियागत त्रुटि की आशंका किसी ईमानदार उद्यमी को निर्णय लेने से हतोत्साहित कर सकती है। इसी प्रकार, शिकायत निवारण के लिए पोर्टल उपलब्ध होने के बावजूद किसी नागरिक को यह महसूस हो सकता है कि उसकी शिकायत पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए, महत्वपूर्ण प्रश्न केवल यह नहीं है कि किसी नीति के पीछे मंशा कितनी अच्छी थी, बल्कि यह भी है कि उसके परिणामस्वरूप व्यवस्था ने व्यवहार में किस प्रकार के परिणाम उत्पन्न किए। वास्तविक कसौटी यह है कि क्या व्यवस्था वांछित व्यवहार को अधिक सरल, पूर्वानुमेय और व्यापक स्तर पर अपनाए जाने योग्य बनाती है। भारत जैसे विशाल देश में शासन केवल सरकारी कार्यक्रमों के प्रशासन तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण करना है, जो करोड़ों लोगों तक सेवाओं और योजनाओं को तेज़ी, दक्षता और पूर्वानुमेयता के साथ पहुंचाने में सक्षम हों। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गुजरात से लेकर केंद्र सरकार तक लगभग 25 वर्षों की शासन-यात्रा का मूल आधार रहा है। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव अलग-अलग योजनाओं के प्रबंधन से आगे बढ़कर उन व्यवस्थाओं के पुनर्गठन की दिशा में रहा है, जिनके माध्यम से सरकार नागरिकों, व्यवसायों और अधिकारियों के साथ संवाद और सहभागिता करती है। इसका मूल सिद्धांत सरल है—वांछित परिणाम को प्राप्त करना सरल बनाया जाए, उसे मापना आसान हो और व्यापक स्तर पर लागू करना भी सुगम हो।

इस परिवर्तन की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी की केंद्रीय भूमिका रही है। डिजिटल पहचान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, मानकीकृत प्रक्रियाएं, डैशबोर्ड, रैंकिंग, डिजिटल खरीद प्रणाली, शिकायत निवारण मंच और सार्वजनिक निष्पादन आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था का एक नया प्रतिमान स्थापित किया है। इसके माध्यम से सरकार अभूतपूर्व स्तर और गति के साथ सेवाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करने में सक्षम हुई है।

इसका आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है।

जेएएम ढांचे–जन धन, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी–ने सरकार और नागरिक के बीच प्रत्यक्ष डिजिटल संपर्क स्थापित किया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंचाई गई है। वहीं, डुप्लीकेट, मृत और फर्जी लाभार्थियों को हटाकर सरकारी कोष में अनुमानित 5.14 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है।

2025 में किए गए एक आकलन में पाया गया कि लाभार्थियों की संख्या में 16 गुना विस्तार के बावजूद, कल्याण दक्षता सूचकांक–अर्थात सरकार द्वारा खर्च की गई राशि में से वास्तव में नागरिकों तक पहुंचने वाली राशि का अनुपात–2014 में 0.32 से बढ़कर 2023 में 0.91 हो गया।

पीएम-किसान के तहत 9.49 करोड़ किसानों के बैंक खातों में सीधे 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई है। वहीं, 2.1 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाए जाने से अनुमानित 22,106 करोड़ रुपये की बचत हुई। खाद्य वितरण प्रणाली में 5.03 करोड़ से अधिक डुप्लीकेट, फर्जी या अस्तित्वहीन राशन कार्ड हटाए गए, जबकि 80 करोड़ लोगों को प्रत्येक माह निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। यह मुद्रास्फीति के अनुरूप समायोजित सार्वभौमिक मूल आय के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का एक विशिष्ट सहायता है।

इसका उद्देश्य केवल योजनाओं में होने वाले रिसाव को रोकना नहीं है, बल्कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभों की लक्षित, दक्ष और व्यापक स्तर पर प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के %जन भागीदारी' के सिद्धांत से प्रेरित होकर, नागरिक भी शासन-व्यवस्था में लगातार अधिक सक्रिय भागीदार बने हैं। %गिव इट अप' अभियान के माध्यम से परिवारों को स्वेच्छा से एलपीजी सब्सिडी छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अभियान के तहत 1.13 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ने की पहल की, जबकि 4.15 करोड़ डुप्लीकेट, फर्जी, अस्तित्वहीन या निष्क्रिय एलपीजी कनेक्शनों को समाप्त किया गया।

यह दर्शाता है कि नीतियां केवल विनियमन के माध्यम से ही प्रभावी नहीं होतीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता के माध्यम से भी प्रभावी ढंग से लागू की जा सकती हैं।

यही सिद्धांत आर्थिक विनियमन के क्षेत्र में भी लागू होता है।

किसी उद्यमी के लिए विनियमन की लागत केवल धन तक सीमित नहीं होती। इसमें समय, ध्यान, अनिश्चितता और कई बार आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। अत्यधिक अपराधीकरण के कारण उत्पादक अनुपालन के बजाय रक्षात्मक व्यवहार को बढ़ावा मिल सकता है।

जन विश्वास सुधार इसी समस्या का प्रत्यक्ष समाधान प्रस्तुत करते हैं। जन विश्वास अधिनियम, 2023 के तहत 42 केंद्रीय अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वर्ष 2026 के कानून के तहत इस दिशा में और व्यापक कदम उठाया गया। इसमें 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया। इनमें 717 प्रावधानों और 1,000 से अधिक अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया, जबकि 67 प्रावधानों में संशोधन कर जीवन सुगमता को बढ़ावा दिया गया। यह अधिनियम अप्रैल 2026 में प्रभावी हुआ।

यही सोच नियामकीय अनुपालन बोझ को कम करने की पहल में भी दिखाई देती है। नवंबर 2025 तक 47,000 से अधिक अनुपालनों को कम किया जा चुका था। इनमें 16,108 अनुपालनों को सरल बनाया गया, 22,287 को डिजिटल किया गया, 4,458 को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया और 4,270 अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त किया गया।

व्यक्तिगत रूप से देखें तो इनमें से प्रत्येक कमी छोटी लग सकती है। लेकिन लाखों उद्यमों और नागरिकों के संदर्भ में ये छोटे-छोटे बदलाव मिलकर महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो जाते हैं।

यही सिद्धांत सार्वजनिक खरीद के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। जेईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) ने खंडित और संबंध-आधारित खरीद व्यवस्था के स्थान पर एक अधिक पारदर्शी डिजिटल बाज़ार व्यवस्था स्थापित की है, जहां खरीदार विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं की तुलना कर सकते हैं और विक्रेता सरकारी मांग को देख सकते हैं।

30 जुलाई 2026 तक जेईएम पर 11.75 लाख एमएसएमई, 37,758 स्टार्टअप और 2.17 लाख महिला उद्यमी पंजीकृत थे। वित्त वर्ष 2025-26 में इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से एमएसएमई से की गई खरीद 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

ये आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि सरकारी मांग तक पहुंच स्वयं औद्योगिक नीति के एक प्रभावी साधन के रूप में कार्य कर सकती है। जब कोई छोटा उद्यम सार्वजनिक क्षेत्र की मांग को देख सकता है और उसमें प्रतिस्पर्धा कर सकता है, तो उसके पास अपनी क्षमता, गुणवत्ता और उत्पादन के परिमाण में निवेश करने के लिए अधिक ठोस कारण होता है।

निष्पादन को भी लगातार अधिक मापनीय बनाया जा रहा है।

वर्ष 2026 में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) के तहत निर्धारित शिकायत निवारण की समय-सीमा 30 दिनों से घटाकर 21 दिन कर दी गई। 1 जनवरी से 15 जुलाई 2026 के बीच इस प्लेटफॉर्म पर 15.21 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए शिकायतों के निपटारे में औसतन 13 दिन का समय लगा।

इसका व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है—जिसे मापा जा सकता है, उसे बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है और जिसे देखा जा सकता है, उसमें सुधार किया जा सकता है। यही वर्तमान में हो रहे गहरे शासन-परिवर्तन का आधार है।

किसान को जब सीधे सहायता प्राप्त होती है, तो वह अधिक निश्चितता के साथ अपनी योजनाएं बना सकता है। अनावश्यक अनुपालनों के कम होने से उद्यमी अपना ध्यान व्यवसाय के निर्माण और विस्तार पर केंद्रित कर सकता है। सार्वजनिक मांग तक पहुंच मिलने से एमएसएमई अपनी उत्पादन क्षमता में निवेश कर सकता है। वहीं, शिकायत की स्थिति को ट्रैक कर सकने वाला नागरिक शासन-व्यवस्था के प्रति अधिक विश्वास महसूस कर सकता है।

इन सभी मामलों में शासन व्यवस्था लाभार्थी के व्यवहार को प्रभावित करती है। और जब ऐसा बदलाव लाखों नागरिकों, उद्यमों और अधिकारियों के स्तर पर होता है, तो यह व्यापक आर्थिक लाभ में परिवर्तित होता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शासन-व्यवस्था की अवधारणा से आया व्यापक परिवर्तन राज्य, नागरिक, उद्यमी और अधिकारी के बीच एक अधिक सुविचारित और उद्देश्यपूर्ण संवाद-तंत्र का निर्माण है। यह नई व्यवस्था %नागरिक पर विश्वास' अर्थात %जन विश्वास' के सिद्धांत पर आधारित है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने %विकसित भारत' के लिए शासन के नए प्रतिमान के रूप में परिभाषित किया है।

भारत के विशाल आकार को कभी मुख्यत- एक प्रशासनिक चुनौती के रूप में देखा जाता था। उभरती हुई शासन-व्यवस्था एक अलग संभावना प्रस्तुत करती है—जब साझा डिजिटल और संस्थागत व्यवस्थाएं सेवाओं, बाजारों और अवसरों को अधिक दक्षता के साथ लोगों तक पहुंचाने में सक्षम हों, तो देश का विशाल आकार एक चुनौती के बजाय एक लाभ में परिवर्तित हो सकता है।

विविध

आज का राशिफल

मेष राशि- मेष राशि वालों आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा। आज आपको सभी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोग आज सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। माता-पिता का आशीर्वाद लेने से आपके सारे कामों में सफलता जरूर मिलेगी।

शुभ रंग - नारंगी

शुभ अंक - 4

वृष राशि- वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी। इंजीनियरिंग के छात्रों को आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। आज कोई महत्वपूर्ण प्रैक्टिकल को पूरा करने में छात्र व्यस्त रहेंगे। आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

शुभ रंग - पीला

शुभ अंक - 1

मिथुन राशि- मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुये है। ऑफिस में फ़ोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। आज किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करना चाहते है तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले लें। बच्चों के साथ आज मनोरंजन करके समय बिताएंगे। सरकारी विभाग से जुड़े लोगों का पद बढ़ेगा। आपके वेतन में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं।

शुभ रंग - मैजेंटा

शुभ अंक - 5

कर्क राशि- कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका भी मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज जरूरत से ज्यादा खर्चों पर रोक लगाना चाहिए। विद्यार्थी अपने रुके प्रोजेक्ट को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप फिट रहेंगे।

शुभ रंग - पीच

शुभ अंक - 9

सिंह राशि- सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेंगे। किसी से लिया कर्ज आज आप वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियाँ कम होंगी, जिससे आप रिलैक्स महसूस करेंगे। लवमेट आज डिनर पर जायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। अगर कहीं निवेश करना चाह रहें है तो कर सकते है। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

शुभ रंग - गुलाबी

शुभ अंक - 6

कन्या राशि- कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही को ईएमआई पूरी होगी। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज कोई ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर आपको मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आपकी पारिवारिक स्थितियां पहले से अनुकूल बनेंगी। आज संतान पक्ष से कोई अच्छी खबर मिलेगी। आपके शत्रु परास्त होंगे। आज किसी कार्य में आपके विरोधी आपकी सलाह मांगेंगे। आज समाज में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

शुभ रंग - मैरून

शुभ अंक - 3

तुला राशि- तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको खान पान का खास ख्याल रखना चाहिए। आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चो में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज वाहन चलाते समय आप फोन का इस्तेमाल न करें। विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज बिजनेस में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। आज जरूरत से ज्यादा किसी की बात का जबाव देने से बचे। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जो भविष्य में आपके व्यापार ले लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

शुभ रंग - लाल

शुभ अंक - 8

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे। आज वाहन लेने का अवसर आपको मिल सकता है। डिजाइनर्स को आज कोई बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आप नई बाइक लेने का विचार अपने सहयोगियों के साथ करेंगे। जीवनसाथी के साथ आज कहीं घूमने जायेंगे।

शुभ रंग - मैजेंटा

शुभ अंक - 8

धनु राशि- धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज आपका कोई रिश्तेदार आपके लिए उपहार लेकर आयेगा। दोस्तों के साथ टूर का भरपूर आनंद उठाएंगे। आज संतान पक्ष से आपको सुखद समाचार मिल सकता है। परिवार में उत्साह से भरा माहौल रहेगा। विद्यार्थियों का मन आज पढ़ाई में ज्यादा लगेगा।

शुभ रंग - हरा

शुभ अंक - 9

मकर राशि- मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कोई नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे। स्टेशनरी का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा मुनाफा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का बड़े अधिकारियों से संपर्क बढ़ेगा। घर के बुजुर्गों को समय से दवाई दे और उनकी देख भाल करें। आज आपको माता-पिता से स्नेह मिलेगा। आज आप घर में छोटी सी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

शुभ रंग - मैरून

शुभ अंक - 4

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवॉर्ड मिलेगा। अपने आप को एकदम फिट एंड फाइन रखने के लिए एक्सरसाइज करें। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा, साथ ही कुछ और शुरू करने का मन बनायेंगे। सरकारी नौकरी के लिए प्रयासरत लोगों को जल्द बेहतर समाचार मिलेगा। लवमेट आज फोन पर देर तक बात करेंगे। अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

शुभ रंग - लाल

शुभ अंक - 1

मीन राशि-मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बिजली व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्रोत भी आपको मिलेंगे। बेवजह को बातों को सोच-विचार करने से बचने का प्रयास करें। आपके बच्चे किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपको उन पर गर्व होगा।

शुभ रंग - गुलाबी

शुभ अंक - 3

साय कैबिनेट में बस किराया बढ़ाने के प्रस्ताव पर होगा निर्णय, प्रदेशवासियों को मिलेगी सौगात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 30 सितंबर को राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। कैबिनेट में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा और फैसले होने की संभावना है।

इनमें प्रदेश में बस किराया बढ़ाने का प्रस्ताव भी शामिल है। परिवहन विभाग ने किराया वृद्धि को लेकर प्रस्ताव तैयार किए हैं। इन्हें बैठक में मंत्रिपरिषद के सामने रखा जा सकता है।

बस संचालक कर रहे किराया बढ़ाने की मांग

प्रदेश में बस संचालक संगठन लंबे समय से किराया बढ़ाने की मांग उठा रहे हैं। संचालकों का कहना है कि डीजल के दाम बढ़ने के साथ बसों के संचालन का खर्च बढ़ गया है। इसके अलावा मेंटेनेंस, स्पेयर पार्ट्स और अन्य परिचालन खर्च में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में मौजूदा किराए में संशोधन की मांग की जा रही है।

परिवहन विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव

सूत्रों के मुताबिक, परिवहन विभाग ने बस किराया बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव तैयार किया है। 30 सितंबर की बैठक में इस पर मंत्रिपरिषद विचार कर सकती है। प्रस्ताव में बसों की अलग-अलग श्रेणियों और यात्रा की दूरी के हिसाब से किराए में बदलाव का प्रावधान हो सकता है। हालांकि, कैबिनेट की चर्चा के बाद इसमें संशोधन भी संभव है।

चंडालपुर बना चंदनपुर

वर्षों पुरानी मांग पूरी होने के बाद कबीरधाम जिले के ग्राम चंडालपुर को अब आधिकारिक रूप से नई पहचान मिल गई है। छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र में गांव का नाम बदलकर %चंदनपुर' किए जाने का प्रकाशन हो चुका है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने शुक्रवार देर रात बारिश के बीच गांव पहुंचकर ग्रामीणों को राजपत्र की प्रति सौंपी और बधाई दी।

नाम परिवर्तन की खुशी में ग्रामीणों ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी जताई। इस दौरान विजय शर्मा ने गांव के विकास के लिए सीसी रोड और सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 11.70 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। स्थानीय भावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव शासन को भेजा गया, जिसके बाद मंत्रिमंडल स्तर पर चर्चा, राज्यपाल की स्वीकृति और राजपत्र प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी हुई। अब %चंदनपुर' नाम सरकारी अभिलेखों और शासकीय वेब पोर्टल पर दर्ज रहेगा।

उन्होंने कहा कि गांवों के नाम केवल पहचान नहीं होते, बल्कि उनसे स्थानीय इतिहास, संस्कृति, परंपरा और जनभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। उन्होंने ग्रामीणों से दैनिक व्यवहार में भी गांव के नए नाम %चंदनपुर' का उपयोग करने का आग्रह किया। ग्रामीणों की सुविधा के लिए आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में गांव का नाम बदलने विशेष शिविर लगाया जाएगा।

गेम रेंजर खोंड़ की तानाशाही- एलिफेंट रिजर्व के मुख्य वन संरक्षक के आदेश को दिखा रहे ठेंगा, आरटीआई कानून की उड़ाई धज्जियां

सरगुजा संभाग के महत्वपूर्ण क्षेत्र के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम को गेम रेंजर किस तरह ठेंगा दिखा रहे हैं, हाथी अभ्यारण्य क्षेत्र के गेम रेंजर खोंड़ पर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की सरेआम अवहेलना करने और आरटीआई के तहत जानकारी छिपाने के गंभीर आरोप हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यालय मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट एलीफेंट), सरगुजा ने सख्त रुख अपनाते हुए गेम रेंजर को अंतिम चेतावनी जारी की है। आदेश हवा में उड़ाए, एलिफेंट रिजर्व क्षेत्र की जानकारी दबाकर बैठे रेंजर प्राप्त आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, आवेदक जितेन्द्र कुमार सिंह ने आरटीआई के तहत एलीफेंट रिजर्व के गेम रेंजर खोंड़ से कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी थीं। संवेदनशील हाथी अभ्यारण्य क्षेत्र से जुड़ी जानकारी छुपाने की नीयत से जब समय पर जवाब नहीं दिया गया, तो मामला प्रथम अपीलीय अधिकारी तक पहुंचा। प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं उप निदेशक ने 11 अगस्त 2026 को कड़ा आदेश जारी कर गेम रेंजर खोंड़ को

609 मुकदमे दाखिल, 390 का हुआ निस्तारण, अभियोजन की धीमी रफ्तार पर डीएम सख्त

हर माह कम से कम एक बड़े मुकदमे का निस्तारण कराने के निर्देश, गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी पर जोर

संवाददाता

मऊ। कानून व्यवस्था एवं अभियोजन शाखा की मासिक समीक्षा बैठक में मुकदमों के निस्तारण की धीमी गति पर जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने नाराजगी जताई। उन्होंने अभियोजकों को पुराने और गंभीर मामलों को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी पैरवी के जरिए अधिक से अधिक मामलों में सजा सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। प्रत्येक अभियोजक को हर माह कम से कम एक बड़े मुकदमे का निस्तारण कराने को कहा।

शनिवार देर शाम जिलाधिकारी कैंप कार्यालय के सभागार में हुई बैठक में अगस्त माह के अभियोजन कार्यों की समीक्षा की गई। संयुक्त निदेशक अभियोजन ने बताया कि अधीनस्थ एवं सत्र न्यायालयों में अगस्त में कुल 609 नए वाद दायर हुए, जबकि 390 का निस्तारण किया गया। निस्तारित मामलों में 281 में सजा, 31 में रिहाई, 34 में सुलह, 31 मुकदमों को सत्र सुपुर्द तथा 13 में दाखिल दफ्तर की कार्रवाई हुई। सत्र न्यायालय में आईपीसी के तहत 31 मुकदमे दायर हुए, जिनमें 13 का निस्तारण हुआ। इनमें एक मामले में सजा, 11 में रिहाई और एक में दाखिल दफ्तर की कार्रवाई हुई। एससी और एसटी एक्ट के पांच नए मामलों में दो का निस्तारण हुआ, जिनमें एक में सजा मिली। वहीं गैंगस्टर एक्ट के नौ नए मुकदमों में अगस्त में कोई निस्तारण नहीं हुआ। पॉक्सो एक्ट के 17 मामलों में चार का निस्तारण हुआ, जिनमें एक में सजा और तीन में रिहाई हुई। डीएम ने कहा कि लंबित मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। जिन मामलों में गवाह उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं, उनके संबंध में पहले से जानकारी लेकर न्यायालय में उनकी उपस्थिति और गवाही सुनिश्चित कराई जाए। प्रत्येक मुकदमे की फाइल अद्यतन रखने और वह किस स्तर पर लंबित है, इसकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। अंतिम चरण में पहुंच चुके मुकदमों के निस्तारण के लिए विशेष प्रयास करने को कहा।

538 जमानत आवेदनों में 433 मंजूर

अगस्त में कुल 538 जमानत आवेदन न्यायालयों में प्रस्तुत किए गए, जिनमें 433 स्वीकृत और 105 अस्वीकृत हुए। बड़ी संख्या में जमानत स्वीकृत होने पर डीएम ने गंभीर अपराधों के मामलों में तथ्यों और साक्ष्यों के साथ मजबूती से पैरवी करने के निर्देश दिए। पॉक्सो मामलों में पक्षद्रोहिता के कारण रिहाई के मामलों को गंभीरता से लेते हुए वादी और उनके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें जागरूक करने को कहा।

अवैध शराब और मादक पदार्थों पर अभियान

कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान डीएम ने अवैध एवं जहरीली शराब के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए। जनपद की सीमा से जुड़े थानों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा। जिन थानों में जनवरी से अब तक मादक पदार्थ और ड्रग्स से संबंधित कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, वहां प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला अपराधों में निर्धारित समय सीमा के भीतर चार्जशीट दाखिल कर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। महिला बीट पुलिसकर्मियों के माध्यम से स्कूल-कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को महिला अपराधों में सजा के परिणामों की जानकारी देकर जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

गैंगस्टर की कुर्की लंबित मिलने पर एसपी नाराज

गैंगस्टर एक्ट के तहत आदेश पारित होने के बावजूद कुछ थानों में कुर्की की कार्रवाई लंबित मिलने पर पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों को एक सप्ताह में आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला बदर अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने और उनके जनपद में प्रवेश करने पर संबंधित थाना प्रभारी की जिम्मेदारी तय करने की चेतावनी दी गई।

30 सितंबर तक पीस कमेटी की बैठक

आगामी त्योहारों को देखते हुए डीएम ने सभी थानों में 30 सितंबर तक पीस कमेटी की बैठक कराने के निर्देश दिए। मूर्ति स्थापना और रामलीला स्थलों का एसडीएम व सीओ से पहले ही निरीक्षण कराने को कहा। विसर्जन घाटों पर सफाई, विद्युत सुरक्षा और पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने नगरीय क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने, त्योहारों से पहले सड़कों को गड्ढामुक्त करने और पुलिस को निरोधात्मक कार्रवाई पहले से करने को कहा। नगरीय क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की जांच कर उन्हें लगातार संचालित रखने, हाईवे पर पेट्रोल पंपों व ढाबों के आसपास खड़े ट्रकों पर निगरानी तथा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रवेंद्र कुमार, एसडीएम, सीओ, थाना प्रभारी,

तूफान ने मधुबन की बिजली व्यवस्था को झकझोरा, कई खंभे धराशायी—कस्बे के वार्डों में बहाली के लिए दिन-रात जुटी विद्युत टीम

संवाददाता

मधुबन। चक्रवाती तूफान और तेज हवाओं ने मधुबन कस्बे समेत आसपास के कई इलाकों की विद्युत व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। जगह-जगह बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त होने और विद्युत लाइनों में फाल्ट आने से आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो गई। मधुबन ब्लॉक गेट के समीप भी कई विद्युत खंभे क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके बाद विद्युत विभाग की टीम ने युद्धस्तर पर मरम्मत अभियान शुरू किया।एसडीओ सतीश चौहान के नेतृत्व में विद्युत कर्मी

लगातार फील्ड में जुटे हुए हैं। क्षतिग्रस्त खंभों को दुरुस्त करने, विद्युत लाइनों को ठीक करने और आपूर्ति बहाल करने का कार्य लगातार किया जा रहा है। खराब मौसम और जगह-जगह हुए नुकसान के बावजूद कर्मचारी मौके पर पहुंचकर व्यवस्था को सामान्य करने में लगे हैं।तूफान के चलते मधुबन कस्बे से सटे वार्डों और आसपास के आबादी वाले क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली बाधित रहने से घरों में दैनिक कामकाज के साथ-साथ दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को भी दिक्कतें हुईं। मोबाइल चार्जिंग, पानी की मोटर और अन्य जरूरी विद्युत उपकरणों का संचालन भी प्रभावित रहा। विद्युत विभाग की टीमें क्षतिग्रस्त पोल, तार और अन्य विद्युत उपकरणों को दुरुस्त करने में लगी हैं। विभागीय कर्मचारियों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर फाल्ट चिन्हित किए जा रहे हैं और प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण विद्युत बहाली का काम आसान नहीं है। इसके बावजूद विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर काम को आगे बढ़ा रहे हैं। विभाग का प्रयास है कि क्षतिग्रस्त विद्युत व्यवस्था को जल्द से जल्द सामान्य किया जा सके।

फिलहाल मधुबन कस्बे और आसपास के वार्डों में विद्युत आपूर्ति को सामान्य करने के लिए मरम्मत एवं बहाली अभियान लगातार जारी है।

एक परिसर में मिलीं कई सरकारी सेवाएं, शिविर में उमड़े ग्रामीण

संवाददाता

घोसी। शासन के निर्देश पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को विकास खंड घोसी परिसर में 'सेवा सेतु अभियान–सरकार आपके द्वार' बहुउद्देशीय लाभार्थी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों को सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया।

शिविर में स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, बाल विकास एवं पुष्टाहार सहित कई विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी, राजकीय पशु चिकित्सालय, जिला स्वास्थ्य समिति, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर तथा कृषि विभाग की ओर से लोगों को विभिन्न सेवाएं और योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागोंए की सेवाएं मिलने से लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं। बीडीओ कृष्ण मुरारी लाल श्रीवास्तव ने कहा कि पात्र लाभार्थी योजनाओं का लाभ लेने के साथ ही अन्य पात्र लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पात्र लोगों को चिह्नित कर योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा घोसी मंडल अध्यक्ष नागेंद्र मद्धेशिया, मंडल उपाध्यक्ष इंद्र बहादुर सिंह, नवीन चौरसिया, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष फिरोज अंसारी, एडीओ पंचायत आयु शाही, एडीओ समाज कल्याण शिव कुमार शर्मा, सीएचसी अधीक्षक डॉ. पंकज सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां भी शामिल रहीं। ग्रामीणों ने विभिन्न स्टॉलों पर पहुंचकर योजनाओं की जानकारी लेने के साथ उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाया।

नशे के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश, दो अधिकारियों को नोटिस

संवाददाता

मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में शनिवार देर शाम कैंप कार्यालय सभागार में एनकार्ड की बैठक हुई। इसमें जिले में मादक पदार्थों, अवैध शराब और ड्रग्स की रोकथाम को लेकर अगस्त माह में की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान तेज करने के निर्देश दिए।

आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अवैध और जहरीली शराब के खिलाफ लगातार चेकिंग अभियान चलाने को कहा। शराब की दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच कराने के साथ दुकानों के बाहर सड़क की ओर भी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में नाबालिगों को शराब की बिक्री नहीं होनी चाहिए। औषधि विभाग की समीक्षा में ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि अप्रैल से अब तक 131 मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया गया है। जिले में ढाई हजार से अधिक मेडिकल दुकानों के सापेक्ष निरीक्षण की संख्या कम मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने निरीक्षण अभियान में तेजी लाने और मेडिकल स्टोर के अंदर व बाहर सड़क की ओर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग को विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच नशे के दुष्प्रभावों को लेकर नियमित जागरूकता कार्यक्रम कराने को कहा। समाज कल्याण विभाग को नशा मुक्ति केंद्रों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने तथा नशामुक्ति से जुड़ी गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के नामित नोडल एसीएमओ और जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने दोनों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

औषधि आयुक्त प्रबोध रस्तोगी का दवा विक्रेता समिति ने किया स्वागत

नए औषधि लाइसेंस की प्रक्रिया शुरू, लंबित कार्यों के शीघ्र निस्तारण का भरोसा युग वैभव संवाददाता

घोसी। दवा विक्रेता कल्याण समिति घोसी एवं घोसी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में आजमगढ़ मंडल के नवागत औषधि आयुक्त प्रबोध रस्तोगी का स्वागत किया। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही औषधि निरीक्षक आशुतोष कुमार चौबे को भी अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर औषधि आयुक्त प्रबोध रस्तोगी ने कहा कि दवा विक्रेताओं की ओर से दिए गए सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नए औषधि लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने दवा विक्रेताओं से सरकार और औषधि विभाग के निर्देशों के अनुरूप कार्य करने की अपील करते हुए विभाग की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय ने कहा कि पिछले दो-तीन महीनों से मंडल में औषधि आयुक्त का पद रिक्त होने के कारण कई कार्य प्रभावित थे। अब प्रबोध रस्तोगी के कार्यभार संभालने से नए लाइसेंस जारी होने के साथ लंबित कार्यों के भी शीघ्र निस्तारण की उम्मीद है। उन्होंने औषधि निरीक्षक आशुतोष कुमार चौबे के कार्यों की भी सराहना की। कहा कि वह अपने दायित्वों का सुनियोजित ढंग से निर्वहन कर रहे हैं। इस मौके पर समिति के महामंत्री निर्भय पांडेय समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्रद्धा और उत्साह से मना संत शिरोमणि बाबा गणिनाथ महाराज का पूजनोत्सव

संवाददाता

मधुबन। मध्यदेशीय वैश्य महासभा मधुबन इकाई के तत्वावधान में संत शिरोमणि बाबा गणिनाथ महाराज का पूजनोत्सव पांती रोड स्थित गांधी मैदान के सामने निजी आवास पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। समाजबंधुओं ने विधिवत पूजन-अर्चन एवं ध्वजारोहण कर समाज की एकता, समृद्धि, शिक्षा और सर्वांगीण विकास की कामना की।

पूजनोत्सव के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं सिद्धार्थनगर के जिला प्रभारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि संत गणिनाथ महाराज केवल वैश्य समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के पथप्रदर्शक थे। उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में गुप्त वंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चंद्रगुप्त से स्कंदगुप्त तक का काल भारतीय इतिहास के गौरवशाली अध्यायों में गिना जाता है। समाज को अपने इतिहास और पूर्वजों के गौरव को समझते हुए एकता एवं प्रगति की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। प्रवीण गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज को संगठित होकर सामाजिक क्षेत्र के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी अपनी सक्रिय सहभागिता बढ़ानी चाहिए। समाज को व्यापार के साथ शिक्षा, सामाजिक सेवा और सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भी आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने संत गणिनाथ महाराज के संदेश ÷एक रहो, नेक रहो÷ को आत्मसात करने का आह्वान किया।

प्रदेश महामंत्री गिरीश चन्द गुप्ता ने महिलाओं की सहभागिता, बेटियों की शिक्षा, आपसी सामंजस्य और सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब महिलाएं, युवा और समाज के सभी वर्ग संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लें। कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेश्याम मद्धेशिया ने की। उन्होंने समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत करने तथा बाबा गणिनाथ महाराज के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री चंदन मद्धेशिया एवं अमित गुप्ता ने किया। इस दौरान रवि मद्धेशिया, कपूर चंद्र मद्धेशिया, शंकर मद्धेशिया, विनोद मद्धेशिया उर्फ पप्पू सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और शिक्षा, संस्कार, एकता एवं सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में चंदन गुप्ता, अभिषेक मद्धेशिया, भारतेन्दु मद्धेशिया, अखिलेश मद्धेशिया, अजीत मद्धेशिया, अरविंद, देवेंद्र, जय आकाश, आशिष मद्धेशिया, उत्कर्ष, गणेश, मनोज, मोहन, दुर्गेश, विपिन सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अतिथियों, पदाधिकारियों, महिलाओं, युवाओं एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार जताया।

सक्षिप्त खबरें...

साइबर ठगी के शिकार चार लोगों को राहत, मधुबन पुलिस ने लौटाए रुपए 61,096

संवाददाता

मधुबन। साइबर फ्रॉड के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मधुबन की साइबर टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार

चार पीड़ितों के खातों में कुल रुपए 61,096 की धनराशि वापस कराई। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मऊ कमलेश बहादुर एवं अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के निर्देशन में साइबर फ्रॉड की रोकथाम एवं जागरूकता अभियान के क्रम में की गई। क्षेत्राधिकारी मधुबन दिनेश दत्त मिश्रा तथा प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व में साइबर टीम ने एमआरएम के माध्यम से संबंधित शिकायतों पर कार्रवाई की। वापस कराई गई धनराशि में दयानन्द पाण्डेय, निवासी कटघरा शंकर के खाते में रुपए 31,400, सेराज अहमद, निवासी मधुबन के खाते में रुपए 10,885, अखिलेश गुप्ता, निवासी मधुबन के खाते में रुपए 9,811 तथा राजू चौहान, निवासी नई बस्ती दुबारी के खाते में रुपए 9,000 वापस कराए गए।

पुलिस के मुताबिक, चारों मामलों में साइबर शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित प्रक्रिया के माध्यम से फ्रॉड हुई धनराशि की वापसी कराई गई। धनराशि वापस मिलने से पीड़ितों को राहत मिली। इस कार्रवाई में थाना मधुबन साइबर टीम के अ0नि0 हरेन्द्र सिंह, उ0नि0 दीपनरायण, क0आ0 पवन कुमार सिंह, का0 अजीत कुमार पाल, म0का0 बिन्दू पटेल एवं म0का0 प्रतिमा सिंह शामिल रहे। पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल या ऑनलाइन लेनदेन से पहले पूरी सावधानी बरतने की अपील की है।

प्रशिक्षण के दौरान हृदयाघात से शिक्षक डा. रामविलास भारती का निधन

सीसीआरटी के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने दिल्ली गए थे, निधन की खबर से शिक्षा जगत में शोक

संवाददाता

मऊ। शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले घोसी निवासी शिक्षक डॉ. रामविलास भारती का दिल्ली में प्रशिक्षण के दौरान हृदयाघात से निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही मऊ जनपद के शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। शिक्षकों, विद्यार्थियों, परिचितों और शुभचिंतकों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

बताया गया कि डा. रामविलास भारती दिल्ली में सीसीआरटी के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने गए थे। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षण कार्य और अपने अनुभव भी साझा किए। इसी दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर हृदयाघात से उनका निधन हो गया।

डॉ. भारती शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षक के रूप में जाने जाते थे। विद्यालय के विकास में भी उनका विशेष योगदान रहा। बताया जाता है कि वह अपने वेतन का एक हिस्सा विद्यालय के विकास कार्यों पर खर्च करते थे। उन्होंने निजी संसाधनों से विद्यालय में पुस्तकालय विकसित कराने के साथ परिसर को बेहतर और सुविधासंपन्न बनाने में भी योगदान दिया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें राज्यपाल और मुख्यमंत्री की ओर से राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका था। सहकर्मियों के अनुसार वह विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने के लिए भी प्रेरित करते थे। उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया।

बारिश और तेज हवा से बिजली व्यवस्था चरमराई, कई पोल क्षतिग्रस्त

संवाददाता

मझवारा। क्षेत्र में हुई बारिश और तेज हवा के चलते विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो गई है। सेमरी जमालपुर विद्युत उपखंड क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के पोल क्षतिग्रस्त होने से विभिन्न फीडरों की विद्युत आपूर्ति बाधित है। इससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार लखनी फीडर पावर हाउस के सामने बिजली के दो पोल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसके चलते बैरासी, लखनी, मुबारकपुर, मलेरीकोट, पवनी, खैर मोहम्मदपुर, दरियाबाद समेत आसपास के गांवों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं मझवारा फीडर से जुड़े क्षेत्रों में भी विद्युत आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी हो रही है। मझवारा मेन रोड पर भी कई विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण क्षेत्र में अभी तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। बिजली नहीं आने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ दुकानदारों धनंजय गुप्ता पवन मद्धेशिया सुशील कुमार नन्हे गुप्ता घुरा मद्धेशिया लोगों का कहना है

परिवार परामर्श केंद्र में नवागंतुक नगर पुलिस अधीक्षक ने की काउंसलिंग, परिवारों में आपसी संवाद, समझ और सौहार्द बढ़ाने पर दिया जोर

संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव पुलिस लाइन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश के निर्देशन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में रविवार को नवागंतुक पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने पहुंचकर केंद्र की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों की जानकारी ली। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर ने

परिवार परामर्श केंद्र के सभी सम्मानित सलाहकारों से परिचय प्राप्त किया तथा केंद्र में आए पति-पत्नी के विवादित मामलों की काउंसलिंग प्रक्रिया में स्वयं सहभागिता की। उन्होंने दंपतियों से संवाद करते हुए आपसी समझ, विश्वास एवं सकारात्मक बातचीत के माध्यम से पारिवारिक मतभेद दूर करने का प्रयास किया। काउंसलिंग के उपरांत कुछ दंपतियों की सफलतापूर्वक विदाई भी कराई गई। पुलिस अधीक्षक नगर ने परिवार परामर्श केंद्र द्वारा परिवारों के बीच उत्पन्न मतभेदों को दूर करने तथा दांपत्य जीवन में सौहार्द स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी सलाहकारों का उत्साहवर्धन करते हुए जनपद में संचालित महिला हेल्प डेस्क एवं परिवार परामर्श केंद्रों में जनहित से जुड़ी नई एवं प्रभावी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि परिवार में उत्पन्न विवादों को संवाद, समझ और उचित परामर्श के माध्यम से सुलझाने में परिवार परामर्श केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान उपस्थित सलाहकारों ने भी पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। सलाहकारों एवं पुलिस अधिकारियों की रही महत्वपूर्ण उपस्थिति कार्यक्रम में परिवार परामर्श केंद्र समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव, संजय चौरसिया, श्रीमती प्रभा यादव, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, अबरार हुसैन, अफसर अली खान, डॉ. सगीर अहमद चौरसिया सहित अन्य सम्मानित सलाहकार उपस्थित रहे।

वहीं महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, मिशन शक्ति प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी, उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमारी तथा जनपद के विभिन्न थानों की महिला आरक्षियों ने भी परिवार परामर्श केंद्र के कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

इस नेक एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य में प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस लाइन श्री सचिन राय का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके सहयोग से परिवार परामर्श केंद्र के कार्यक्रम एवं व्यवस्थाओं के सफल संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, पुलिसकर्मियों एवं सलाहकारों ने परिवारों के विवादों को आपसी समझ, संवाद एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से सुलझाने तथा महिला सुरक्षा एवं परिवार कल्याण से जुड़े प्रयासों को और प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने पर जोर दिया।

जलि में आपसी मतभेद भूल सैंतीस जोड़े साथ रहने को हुए राजी

संवाददाता

उन्नाव। परिवार परामर्श केंद्र से कुल तीन विदाई, बांगरमऊ से तीन ,थाना दही से एक, थाना आसीवन से एक, पुरवा से 7 ,महिला थाना से चार ,अजगैन से तीन, हसनगंज से एक, सोहरामऊ से तीन, मौरावां से दो, कोतवाली से दो , बारासगवर से दो ,अचलगंज से दो, परिवार परामर्श केंद्र से तीन ,इनमें सहयोग निरीक्षक रेखा सिंह, निरीक्षक संतोष कुमारी,महिला आरक्षी सेविका, पूनम शाह ,मीनू ,प्राची ,नीतू, आकांक्षा सेंगर ,अंजलि कुशवाहा ,दीपिका दीक्षित प्रियंका, राजनंदिनी , अंशु यादव,नरेंद्र राघव ,उप निरीक्षक मृत्युंजय ,उपनिरीक्षक मिथिलेश ,महिला आरक्षी अंजली राजपूत, निरीक्षक अरविंद पांडे ,महिला आरक्षी तरुण रानी ,नीतू, उपनिरीक्षक रेखा देवी ,रेणु कटिहार, दुर्गेश, शिखा, सुकृति सिंह, पुष्कर ,पूनम ,पुष्पा यादव, निरीक्षक संतोष कुमारी ,उप निरीक्षक मिथिलेश, अंशु ,अंशु रानी का विशेष योगदान रहा।

बालूघाट चौकी प्रभारी पर लगें गंभीर आरोप, मोबाइल चोरी और गांजा तस्करी को लेकर उठे सवाल — निष्पक्ष जांच की मांग?

संवाददाता

शुक्लागंज (उन्नाव)। कोतवाली गंगाघाट क्षेत्र के बालू घाट चौकी इलाके में मोबाइल चोरी और कथित गांजा तस्करी को लेकर स्थानीय स्तर पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों की शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। मामले में बालूघाट चौकी प्रभारी अरुण कुमार त्रिपाठी की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि कई मामलों में कार्रवाई के बजाय आरोपियों को कथित रूप से संरक्षण मिलने की आशंका है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल ढ्ढत्रक्रस् पर की गई शिकायतों के निस्तारण में वास्तविक स्थिति से अलग रिपोर्ट लगाए जाने की आशंका है। उनका कहना है कि यदि किसी शिकायत पर गलत या अपूर्ण रिपोर्ट लगाई जाती है तो पीड़ित व्यक्ति के लिए न्याय की प्रक्रिया और कठिन हो जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि किसी पुलिसकर्मी की कार्यशैली को लेकर शिकायत सामने आती है, तो उसकी जांच उसी स्तर पर कराए जाने के बजाय किसी वरिष्ठ अथवा स्वतंत्र अधिकारी से निष्पक्ष जांच क्यों न कराई जाए? उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस विभाग की ओर से पुलिसिंग में पारदर्शिता तथा शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण पर जोर दिया जाता रहा है। ऐसे में गंगाघाट क्षेत्र से सामने आ रहे आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। यदि बालू घाट चौकी क्षेत्र में वास्तव में मोबाइल चोरी, गांजा तस्करी अथवा अन्य अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं, तो इनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही? यदि लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन हैं, तो संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करना भी जरूरी है। स्थानीय जनता ने मांग की है कि पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराई जाए, ढ्ढत्रक्रस् पर दिए गए निस्तारण की भी जांच हो और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

लगातार 36 घंटो से हो रही वर्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर जल जमाव की स्थिति का लिया जायजा

संवाददाता

उन्नाव। लगातार 36 घंटो से हो रही वर्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर जल जमाव की स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने वार्ड नंबर 16 ईदगाह पत्थर कटा कॉलोनी, गांधीनगर वार्ड नंबर 24 आदर्श नगर वार्ड नंबर 3 पीडी नगर वार्ड नंबर 18 में मौके पर पहुंचकर नालों और नालियों में जल निकासी की व्यवस्था, नालियों की सफाई तथा जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का निरीक्षण किया। मीडिया बन्धुओं से बात चीत करते हुए जिलाधिकारी बताया कि वर्षा के दृष्टिगत नगर पालिका उन्नाव के अंतर्गत 09 स्थानों पर पम्पिंग सेट दो स्थानों पर मड़ पम्प जनरेटर सेट के साथ लगाया गया है। साथ ही अन्य जल भराव वाले स्थानों पर साकिंग मशीन की भी व्यवस्था है जो कर्मचारियों द्वारा कराई जा रही है। बताया जहां-जहां जल जमाव की दिक्कत है वहां पर तुरंत कार्यवाही की जा रही है नाली और बड़े नालों में फ्लोटिंग पर नजर रखी जा रही है तत्काल फ्लोटिंग निकालने की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा के दृष्टिगत आपदा और चिकित्सा विभाग की टीम में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। कहीं पर जल जमाव न होने पाए सभी नगर पालिका नगर पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर व्यवस्था की गई है । सभी अधिकारी नजर रखे हुए हैं भ्रमणशील रहकर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं ताकि आम जनमानस को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो स्कूल कॉलेज को बंद कर दिया गया है जल जमाव न होने पाए इसके लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है । प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है तेजी से पानी निकाला जा रहा है। जनपद वासियों से भी अपील है कि वर्षा के दृष्टिगत कोई आवश्यक कार्य हो तभी घर से निकले अन्यथा घर में सुरक्षित रहें प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैदी से कार्य कर रहा है आमजन मानस को कोई भी दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। यदि कोई भी समस्या आ रही तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था को तत्काल प्रभावी बनाया रखा जाए । नालियों एवं नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करते हुए जहां कहीं भी जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो, वहां तत्काल पंप आदि के माध्यम से पानी की निकासी कराई जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारी क्षेत्र में लगातार भ्रमण करते रहें तथा जल जमाव वाले स्थानों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़ अधिशासी अधिकारी नगर पालिका उन्नाव सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

सक्षिप्त खबरें...

भारी वर्षा के बीच भी अडिग रही सनातन आस्था

संवाददाता

उन्नाव। सिद्धपीठ माँ चंडिका देवी धाम, बक्सर के पावन परिसर में माँ गंगा की आरती भारी वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम के कारण सीमित रूप में संपन्न हुई। परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं थीं, लेकिन श्रद्धा, संस्कार और सेवा-संकल्प की ज्योति निरंतर प्रज्वलित रही। ÷माँ गंगा और माँ चंडिका देवी हमारी सनातन आस्था, संस्कृति और जीवन-परंपरा की पावन आधारशिला हैं। आयोजन सीमित हो सकता है, लेकिन हमारी श्रद्धा और सेवा का संकल्प कभी सीमित नहीं हो सकता।÷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा-यात्रा से प्रेरणा लेते हुए सेवा, संगठन, संस्कार और राष्ट्रभाव को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया गया। इसी भाव से युवाओं को अवसर देने के लिए प्रथम युवा विशाल रोजगार मेले जैसे सेवा-प्रयास भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह ने हैदराबाद में देखा मन की बात का 138वां संस्करण

संवाददाता

बीघापुर (उन्नाव)। जिला सहकारी बैंक उन्नाव के अध्यक्ष अरुण सिंह ने अपने हैदराबाद प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रसिद्ध कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें संस्करण को पूरे मनोयोग से टीवी पर देखा व सुना। हैदराबाद प्रवास की व्यस्तताओं के बावजूद, उन्होंने समय निकालकर टीवी प्रसारण के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ना सुनिश्चित किया। प्रसारण देखने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी का %मन की बात% कार्यक्रम केवल एक संबोधन नहीं है, बल्कि यह देश के कोने-कोने में छिपी प्रतिभाओं, जन-भागीदारी और जमीनी स्तर पर हो रहे सकारात्मक बदलावों को उजागर करने वाला एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने आगे कहा– ÷प्रधानमंत्री जी द्वारा साझा किए गए प्रेरणादाई विचार, देशवासियों के अनूठे प्रयास और राष्ट्रहित से जुड़े संदेश सीधे दिल को छूते हैं। हैदराबाद में रहते हुए भी इस कार्यक्रम को सुनने का अनुभव अत्यंत ऊर्जादायक रहा। इस संबोधन ने जनसेवा, सहकारिता के विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे संकल्प को और अधिक दृढ एवं मजबूत किया है।÷ अरुण सिंह ने यह भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन देश के प्रत्येक नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करने तथा %आत्मनिर्भर भारत% के निर्माण में योगदान देने की नई प्रेरणा प्रदान करता है। %मन की बात% से मिली यह सीख सहकारिता आंदोलन और जनहित के कार्यों को नई गति देने का काम करेगी।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

संवाददाता

उन्नाव। कोतवाली सदर क्षेत्र के सिकंदरपुर सरोसी में चाकू से हमला कर हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान आरोपी शहबान पुत्र रहमान को गिरफ्तार किया। एसओजी, सर्विलांस व कोतवाली सदर पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम नादाखेड़ा में घेराबंदी की, जहां आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने 25 सितंबर की रात नरेश जायसवाल पर चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मामले में कोतवाली सदर में मुकदमा संख्या 608/26, धारा 109/333 बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज है। मुठभेड़ के बाद आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। घायल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

उन्नाव सदर में मच्छरों का आतंक, पैर पसार रहा डेंगू-मलेरिया; नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही से जनता बेहाल!

संवाददाता

उन्नाव। बरसात के मौसम में उन्नाव सदर नगरपालिका क्षेत्र में मच्छरों का भारी अंबार लग गया है। स्थिति दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है, क्योंकि मच्छरों के इस बढ़ते प्रकोप के कारण शहर में डेंगू (डेंगी) और मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारियों ने तेजी से पैर पसारना शुरू कर दिया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह से हाथ पर हाथ धरे बैठा है और कागजों पर हो रहा दवा का छिड़काव धरातल से पूरी तरह गायब है। सदर क्षेत्र और इसके आस-पास के मोहल्लों में मच्छरों की भरमार के कारण सरकारी जिला अस्पताल से लेकर निजी क्लीनिकों तक में तेज बुखार के मरीजों की कतारें लग रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्टों के अनुसार, जिले में डेंगू (डेंगी) संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई इलाकों से मलेरिया के मरीज भी सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद नगर पालिका प्रशासन मच्छर जनित संक्रामक रोगों की रोकथाम को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा है।

धानी खेड़ा कस्बे मे कठपुतली नृत्य का हुआ आयोजन

संवाददाता

उन्नाव। विधानसभा क्षेत्र भगवन्त नगर के धानी खेड़ा कस्बे के बाबा आनंदेश्वर धाम मे प्राचीन परम्परा के खेल कठपुतली व जादू का जुआ आयोजन मुख्य अतिथि के रूप मे राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह की वरिष्ठ टीम के सदस्य एकबाल सिंह, प्रखर सिंह रामजी यादव, राघवेंद्र सिंह, आशू सिंह, पंकज सिंह बाबाजी ने पहुंचकर भोलेनाथ, व गजानन के दर्शन किये समस्त राष्ट्र की खुशहाली की प्रार्थना की आयोजन समिति को राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह की ओर से आर्थिक सहयोग भी दिया इस दौरान सैंकड़ो युवाओं ने पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह से प्रभावित होकर अगामी विधानसभा चुनाव के लिये तन मन धन से समर्थन देने का वादा किया इस दौरान मुख्य रूप से इकबाल सिंह प्रधान, रामजी यादव, पंकज बाबाजी, राधे गुप्ता, रामबाबू गुप्ता, शालू गुप्ता, दिलीप गुप्ता, राघवेंद्र यादव, लाला सिंह, मनीष, नाहकाऊ , राजेश गुप्ता, लखन गुप्ता, सतेंद्र सिंह, रामनारायण गुप्ता, सेनू यादव आदि लोग मौजूद रहें।

गंगाघाट पुलिस द्वारा चोरी के संपूर्ण सामान सहित दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता

शुक्लागंज (उन्नाव)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना गंगाघाट पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 528/2026 धारा 305, 331(4), 317(2) बीएनएस से संबंधित 02 अभियुक्तों को चोरी के सम्पूर्ण माल बरामद किया गया (लाइसेंसी बंदूक, लैपटॉप, साइंटिफिक कैलकुलेटर, टैबलेट व ज्वैलरी) सहित गिरफ्तार किया गया तथा घटना में शामिल एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया। दिनांक 25.09.2026 को वादिनी चाँद बीबी पत्नी मुबीनुज्जमा खां निवासी ग्राम अखलाकनगर, निकट राबिया मस्जिद, थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव द्वारा सूचना दी गई कि दिनांक 23.09.2026 की रात्रि को समय करीब 07¬30 बजे वह अपने घर में ताला लगाकर रिश्तेदारी में मोती नगर, कानपुर नगर गई थीं। दिनांक 24.09.2026 को सुबह करीब 08¬00 बजे जब वह अपने घर वापस आईं तो देखा कि मकान की पीछे की खिड़की की जाली तोड़कर कुछ अज्ञात चोर घर में घुस आए थे तथा दूसरी मंजिल पर बने कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर रखी अलमारी से गहने, लैपटॉप एचपी कंपनी, सीरियल नंबर ष्टह्ठ534495ङ्ख, रंग सफेद-काला, टैबलेट सैमसंग, रंग ग्रे तथा

लाइसेंसी एक नाली 12 बोर बंदूक, संख्या ॥ढ्ढस्र36772 चोरी कर ले गए हैं। प्राप्त सूचना पर थाना गंगाघाट पर मु0अ0सं0 528/2026 धारा 305, 331(4) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।दिनांक 25.09.2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना गंगाघाट पुलिस द्वारा अभियुक्तगण 1.गुलफाम पुत्र आरिफ, निवासी ग्राम अखलाक नगर, निकट जामुन वाली गली, थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव, उम्र करीब 22 वर्ष 2.अरबाज पुत्र मोहम्मद मुख्तार, निवासी ग्राम अखलाक नगर, निकट गरीब नवाज मस्जिद, थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव, उम्र करीब 18 वर्ष को चंदन घाट से गिरफ्तार किया गया अभियुक्तों के कब्जे से 01 अदद लाइसेंसी एक नाली बंदूक, 01 अदद एचपी कंपनी का लैपटॉप, 01 अदद साइंटिफिक कैलकुलेटर, 01 अदद सैमसंग कंपनी का टैबलेट, रंग भूरा, 32 जीबी, 03 अदद अंगूठी, 02 जोड़ी पायल, 02 चांदी के सिक्के तथा 02 अदद मोबाइल फोन बरामद किए गए। घटना में शामिल एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया।

दिव्यांग दम्पति को शादी - विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना अंतर्गत 35000 रुपए दिया जाएगा पुरस्कार

संवाददाता

उन्नाव। जिला दिव्यांग जन सशक्तीकरण अधिकारी रजनीश किरन ने बताया कि एतद्द्वारा जनपद के समस्त दिव्यांग जनों को सूचित किया जाता है कि विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत दिव्यांग दम्पत्ति को शादी करने पर पुरुष दिव्यांग होने पर रूपए 15000.00 एवं महिला दिव्यांग होने पर रूपए 20000.00 अथवा पति पत्नि दोनो दिव्यांग होने पर रूपए 35000.00 पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इच्छुक / पात्रता रखने वाले दिव्यांग जन आनलाइन आवेदन भरते समय दम्पत्ति की दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटो, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, सक्षम स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, शादी कार्ड, अधिवास प्रमाण पत्र आधार कार्ड, आय, जाति प्रमाण पत्र एवं राष्ट्रीकृत बैंक में संचालित बैंक खाता आदि अभिलेख द्धह्लह्लश्चह्य¬//स्रद्ब14ड्डठ्ठद्द-द्बड्डठ्ठ.ह्वश्चह्यस्रष्.द्द्श1.द्बठ्ठ पर आनलाइन कराते हुए हार्ड कॉपी कार्यालय जिला दिव्यांग जन सशक्तीकरण अधिकारी, उन्नाव में जमा करा दे,

47 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों ने जिलाधिकारी से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो ।. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा के 188 परिवीक्षाधीन अधिकारियों के 91वें आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश अध्ययन भ्रमण पर आए 47 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के दल ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय से शिष्टाचार भेंट की। अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रदेश की सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, अवस्थापना, शैक्षणिक एवं औद्योगिक परिस्थितियों से परिचित कराना है। दल में खण्ड विकास अधिकारी (बीडीओ), सहायक कर अधिकारी (एटीओ), जीएसटी तथा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) समेत विभिन्न पदों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारी शामिल रहे। शिष्टाचार भेंट के दौरान जिलाधिकारी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय प्राप्त किया तथा आकांक्षात्मक जनपद बहराइच की भौगोलिक परिस्थितियों, प्रमुख दर्शनीय एवं पर्यटन स्थलों तथा नीति आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न सूचकांकों में जनपद की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बहराइच में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को विकसित कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में अधिकारी का दायित्व केवल कार्यालय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि क्षेत्र में पहुंचकर आमजन की समस्याओं को समझना और उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसुनवाई की व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशिक्षण अवधि में विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को करीब से समझने तथा क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से जमीनी हकीकत जानने की सलाह दी। इस दौरान प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों ने जिलाधिकारी से प्रशासनिक अनुभव, कार्यशैली तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षु अधिकारियों ने कहा कि अध्ययन भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभव भविष्य में अपने दायित्वों के निर्वहन में उनके लिए उपयोगी साबित होंगे। जिलाधिकारी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण, सफल सेवाकाल एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद, वरिष्ठ कोषाधिकारी नरोत्तम शरण, पीडीडीआरडीए मनीष कुमार, उपायुक्त उद्योग केशवराम वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिसकर्मियों को दिया गया एक दिवसीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 26 सितंबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में 25 सितंबर को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम हॉल में अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था के सहयोग से जनपद के पुलिसकर्मियों के लिए एक दिवसीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक कर्णिक आर. जामवर के पर्यवेक्षण एवं प्रतिसार निरीक्षक दिलीप कुमार द्विवेदी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में करीब 178 पुलिसकर्मियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को सांकेतिक भाषा के माध्यम से संवाद स्थापित करने के विभिन्न तरीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेष रूप से श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों से प्रभावी संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को समझने तथा उन्हें आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए सांकेतिक भाषा के प्रयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को सांकेतिक भाषा का प्राथमिक ज्ञान प्रदान कर श्रवण बाधित एवं दिव्यांगजनों के साथ सहज, संवेदनशील और प्रभावी संवाद स्थापित करने में सक्षम बनाना रहा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पुलिस सेवाओं का लाभ सम्मानपूर्वक एवं सुगमता से मिल सके। कार्यक्रम में अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महत्वपूर्ण सहभागिता की। संस्था की ओर से वरुण कुमार गुप्ता, अभिषेक कुमार सिन्हा, मोहम्मद नदीम, संजीत वर्मा, वसीम खान, राहुल देव त्रिपाठी, अल्तमस सैनी, मोहित किशन एवं सद्दाम सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। लखनऊ से आए सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर प्रमोश साहू, सुश्री आरती एवं सुश्री मोनी विमल ने पुलिसकर्मियों को सांकेतिक भाषा के माध्यम से संवाद स्थापित करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं इंटरप्रेटर्स के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी एवं व्यवहारिक बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई।

हत्या के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। थाना रुपईडीहा पुलिस ने हत्या के एक मामले में वांछित चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के लिए रवाना किया है। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक 20 सितंबर को रुपईडीहा थाना क्षेत्र के ग्राम रंजीतबोझा में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। मृतक की पहचान उसकी पत्नी नगमा पत्नी स्वर्गीय तसव्वर अली निवासी रंजीतबोझा ने की थी। पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद मृतक की पत्नी की तहरीर पर थाना रुपईडीहा में मुकदमा अपराध संख्या 261/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में अभियोग दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। रविवार 27 सितंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने करीब 12¬45 बजे मुरैना रोड से बॉर्डर की ओर जाने वाले बघिया मैदान के पास दबिश देकर मुकदमे में वांछित मोहम्मद नसीम पुत्र निजामुद्दीन उम्र 19 वर्ष, अरमान अहमद पुत्र मोहम्मद समीम उम्र 19 वर्ष तथा साबिर अली पुत्र मोहिद्दीन उम्र करीब 20 वर्ष, निवासीगण ग्राम रंजीतबोझा थाना रुपईडीहा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अजीत प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार, आरक्षी विकास प्रजापति, रविन्द्र यादव, मुख्य आरक्षी विनय कुमार, मुख्य आरक्षी नागेंद्र सिंह तथा आरक्षी आकाश गुप्ता शामिल रहे।

पुलिस यार्ड के लिए आवंटित भूमि का डीएम ने किया निरीक्षण

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता के साथ तहसील व परगना बहराइच अन्तर्गत ग्राम रिसिया जमाल में पुलिस यार्ड के निर्माण हेतु आवंटित 4.000 हेक्टयर क्षेत्रफल भूमि श्रेणी 5-3(ड) बंजर भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर डीएम श्री पाण्डेय ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि ग्राम बनवारी गोपालपुर स्थित तालाब का विकसित भारत रोज़गार और आजीविका मिशन की गारंटी (वीबी जी राम जी) योजना से सुदृढ़ीकरण एवं सौन्दर्याकरण कराया जाय तथा पुलिस यार्ड की भूमि का समतलीकरण कराकर पहुंच मार्ग को विकसित किया जाय। इस अवसर पर थानाध्यक्ष रिसिया करूणाकर पाण्डेय, राजस्व निरीक्षक राम सजीवन पाण्डेय व लेखपाल मनीष मौर्या मौजूद रहे।

वृहद रोज़गार मेले का आयोजन हुआ स्थगित

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर।
जनपद में लगातार हो रही भारी वर्षा के दृष्टिगत युवाओं को रोजगार से जोडने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय एवं लार्ड बुद्धा पी.जी. कालेज रूपईडीहा के संयुक्त तत्वावधान में 28 सितम्बर 2026 को लार्ड बुद्धा पी.जी. कालेज, रूपईडीहा के परिसर में प्रस्तावित रोज़गार मेला स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन

अतिवृष्टि को लेकर चारों जनपदों में अलर्ट, राहत-बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में देवीपाटन मण्डल के गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर एवं श्रावस्ती जनपदों में अतिवृष्टि के दृष्टिगत मण्डलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने सभी जिलाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतते हुए राहत एवं बचाव कार्य प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मण्डलायुक्त ने कहा कि अतिवृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों में जनहानि की रोकथाम प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निचले एवं जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी-नालों के किनारे बसे गांवों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए और अधिकारी-कर्मचारी लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रखें। अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुई क्षति का तत्काल स्थलीय सर्वे एवं आकलन कराने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीमें प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर फसल क्षति का वास्तविक आकलन करें, ताकि शासन के प्रावधानों के अनुसार पात्र किसानों को समय से राहत उपलब्ध कराई जा सके। उपजिलाधिकारियों के माध्यम से प्रभावित फसलों के सर्वे का कार्य कराया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों को स्थलीय सत्यापन करते हुए फसल क्षति का निष्पक्ष एवं पारदर्शी आकलन सुनिश्चित करने को कहा गया है। मण्डलायुक्त ने दैवीय आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुरक्षित रखने तथा रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गोण्डा, बलरामपुर एवं श्रावस्ती सहित प्रभावित जनपदों में विद्युत व्यवस्था की लगातार निगरानी करने को कहा गया है। उन्होंने जनहानि एवं अन्य क्षति से संबंधित मामलों में स्थलीय सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर करने तथा पात्र प्रभावित परिवारों को नियमानुसार अनुमन्य राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जलभराव अथवा अतिवृष्टि के कारण आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था, जर्जर भवनों एवं अन्य जोखिम वाले स्थानों को चिन्हित करने तथा आवश्यक सावधानी बरतने को कहा गया है। मण्डलायुक्त ने बाढ़ चौकियों एवं कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने तथा प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, पंचायती राज, विद्युत एवं आपदा प्रबंधन समेत सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। प्रभावित लोगों को भोजन, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, आवश्यक दवाएं एवं अन्य राहत सामग्री समय से उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मूसलाधार बारिश व तूफान से प्रभावित क्षेत्रों का डीएम, एसपी व सीडीओ ने किया निरीक्षण

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। जनपद में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के बीच जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव एवं मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता ने विभिन्न आपदा प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जलभराव, मार्गों पर गिरे पेड़ों, बिजली के खंभों, होर्डिंग्स तथा आमजन की सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को खराब मौसम के दृष्टिगत पूरी तरह अलर्ट रहने तथा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया जाए। तेज हवाओं और तूफान के कारण जिन स्थानों पर पेड़, बिजली के खंभे अथवा होर्डिंग्स गिरने से मार्ग अवरुद्ध हुए हैं, उन्हें तत्काल हटवाकर आवागमन सुचारु कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्युत विभाग और संबंधित टीमों को क्षतिग्रस्त विद्युत व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाघरा घाट पहुंचकर नदी के जलस्तर की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा तटवर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाघरा नदी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और जलस्तर में वृद्धि अथवा किसी अन्य संभावित खतरे की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को खराब मौसम के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा जरूरतमंद लोगों की तत्काल सहायता करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव एवं अन्य समस्याओं की नियमित निगरानी कर संबंधित विभागों के माध्यम से त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जिला प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा लगातार बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने सभी संबंधित टीमों को आपदा की स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के लिए तैयार रहने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

फसल क्षति का जायजा लेने खेतों के बीच पहुंची तहसील प्रशासन की टीम

संवाददाता
मिहींपुरवा बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। जनपद में लगातार हो रही भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर तहसील प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। संभावित आपदा, जलभराव एवं फसल क्षति की स्थिति को देखते हुए उप जिलाधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। तहसील मिहींपुरवा में उप जिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी ने बारिश के बीच ग्राम गायघाट, रायबोझा, पुरैना भवानी भक्श, सर्रामुंद्री और कुड़वा पहुंचकर खेत-खेत जाकर भारी बारिश से प्रभावित फसलों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से बातचीत कर बारिश से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा खेतों में पहुंचकर फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों से भी प्रभावित क्षेत्रों और फसल नुकसान के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। एसडीएम ने साथ मौजूद तहसीलदार एवं क्षेत्रीय लेखपालों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रभावित खेत का मौके पर निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति के आधार पर फसल क्षति का निष्पक्ष एवं पारदर्शी आकलन किया जाए, जिससे प्रभावित किसानों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके। लगातार बारिश के बीच एसडीएम की

सक्षिप्त खबरें...

महिलाओं की समस्याओं के समाधान को हर माह होगा 'माँ पाटेश्वरी शक्ति संवाद'

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। महिलाओं की समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार एवं चतुर्थ शुक्रवार को 'माँ पाटेश्वरी शक्ति संवाद' के तहत विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे ने बताया कि आयुक्त देवीपाटन मंडल गोण्डा दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में यह विशेष जनसुनवाई जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक आयोजित होगी। प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा चतुर्थ शुक्रवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के लिए सचिव, कृषि उत्पादन मंडी समिति बहराइच को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। नोडल अधिकारियों के सहायक के रूप में जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक महिला थाना को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नोडल अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का नियमित अनुश्रवण किया जाएगा तथा आवश्यक पत्राचार और अभिलेखों का रख-रखाव भी सुनिश्चित किया जाएगा।

क्रय केंद्र बदलने पर भड़के किसान, एरा मिल से जुड़े केंद्र यथावत रखने की मांग

संवाददाता मिहींपुरवा बहराइच ब्यूरो
26 सितंबर। सहकारी गन्ना विकास समिति नानपारा की बैठक में एरा चीनी मिल से संबद्ध गूढ़ प्रथम सहित आठ क्रय केंद्रों को नानपारा चीनी मिल से जोड़े जाने के प्रस्ताव को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ गई है। शनिवार को लगातार हो रही बारिश के बीच गूढ़ प्रथम क्रय केंद्र के समीप दुर्गा माता मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में किसान एकत्र हुए और प्रस्तावित स्थानांतरण के विरोध में प्रदर्शन किया। किसानों ने गन्ना आयुक्त उत्तर प्रदेश एवं जिला गन्ना अधिकारी बहराइच को संबोधित ज्ञापन देकर क्रय केंद्रों को पूर्व व्यवस्था के अनुसार एरा चीनी मिल से ही संबद्ध रखने की मांग की। किसानों का कहना है कि गूढ़ प्रथम क्रय केंद्र से लंबे समय से एरा चीनी मिल को गन्ने की आपूर्ति की जा रही है और मिल द्वारा समय से भुगतान, गन्ना उठान, गन्ना विकास कार्य तथा नई फसल के लिए

उन्नत बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती रही है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र में जलभराव की समस्या बनी रहती है, ऐसे में गन्ने की खेती ग्रामीण परिवारों की आय का महत्वपूर्ण साधन है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नानपारा चीनी मिल की पेराई क्षमता और तकनीकी व्यवस्थाओं को लेकर पहले भी किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उनके अनुसार कई बार गन्ने से लदी गाड़ियां क्रय केंद्रों पर कई दिनों तक खड़ी रहने से गन्ना सूख जाता है और वजन में कमी के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों ने मिल में होने वाले ब्रेकडाउन के कारण पेराई और गन्ना उठान प्रभावित होने की बात भी कही। किसानों का कहना है कि क्रय केंद्रों को नानपारा मिल से जोड़ने पर परिवहन, उठान और भुगतान से संबंधित दिक्कतें बढ़ सकती हैं। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने कहा कि यदि प्रस्तावित स्थानांतरण वापस नहीं लिया गया तो वे नानपारा चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति करने के बजाय अन्य विकल्प तलाशने को मजबूर होंगे। किसानों ने मांग पर शीघ्र निर्णय नहीं होने की स्थिति में मुख्यमंत्री के समक्ष मामला उठाने तथा जरूरत पड़ने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि क्रय केंद्रों की व्यवस्था में बदलाव का असर क्षेत्र की गन्ना खेती और किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। प्रदर्शन में गन्ना प्रतिनिधि, डायरेक्टर, डेलीगेट, प्रधानगण समेत शिव कुमार पांडेय अध्यक्ष, जगत जीत पांडेय पूर्व संचालक सदस्य, संदीप तिवारी, मनीष पांडेय, करण तिवारी, राजकिशोर पांडेय, लौकुश बाजपेयी, उद्धव तिवारी, अमरीश तिवारी, राम पतल तिवारी, नवीन तिवारी, जनमेजय तिवारी, महेंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश व तूफान से प्रभावित क्षेत्रों का डीएम, एसपी व सीडीओ ने किया निरीक्षण

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 27 सितंबर। जनपद में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं-तूफान के मद्देनजर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव एवं मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता ने संयुक्त रूप से विभिन्न आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जलभराव, मार्ग अवरोध तथा आमजन की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/ info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।

पर्सनल ट्रेनर 2 में नया अवतार दिखाएंगी टीना दा्ा, बोलीं- मैं और मेरा किरदार दोनों फिटनेस की शौकीन

ओटीटी की दुनिया में नई वेब सीरीज %पर्सनल ट्रेनर 2% को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसमें टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता फिटनेस ट्रेनर नेहा मल्होत्रा नाम का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि वह भूमिका से तुरंत जुड़ गईं, क्योंकि असल जिंदगी में फिटनेस उनके जीवन का अहम हिस्सा है। वह योग, जिम और पिलेट्स रोजाना करती हैं, जिससे उन्हें इस किरदार को समझने में आसानी हुई। अभिनेत्री टीना दत्ता ने कहा, %%मेरा किरदार नेहा मल्होत्रा फिटनेस की शौकीन है। उसके कई शेड्स हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, इस किरदार की असली सच्चाई और उसके अलग-अलग पहलू धीरे-धीरे सामने आते जाएंगे। यही इस भूमिका को दिलचस्प बनाता है।%% टीना दत्ता ने कहा, %%इस सीरीज में दर्शक मुझे एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो पहले मैंने कभी नहीं निभाया था। जैसे ही मुझे इस शो के पहले सीजन की कहानी समझ आई थी, तभी मैंने दूसरे सीजन के लिए तुरंत हामी भर दी थी। यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में एक नया और अलग अनुभव जोड़ने वाला है।%%

इस सीरीज में टीना के साथ आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टीना दत्ता ने सीरी में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, %%शूटिंग के दौरान मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा, खासकर आकांक्षा पुरी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा। हम दोनों ही फिटनेस को लेकर काफी गंभीर हैं, इसलिए सेट पर अक्सर हम एक-दूसरे से वर्कआउट और हेल्थ टिप्स शेयर करते रहते थे। इससे शूटिंग का माहौल और भी सकारात्मक और ऊर्जा से भरा रहता था।%%

इसके अलावा उन्होंने राहुल सुधीर की भी तारीफ की और कहा कि वह बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। उनके साथ किए गए सीन्स में गहराई और इमोशन दोनों देखने को मिले, जिससे कहानी और मजबूत बनी।

बता दें कि %पर्सनल ट्रेनर 2% मुंबई के हाई-प्रोफाइल जिम्स की दुनिया पर आधारित है, जहां फिटनेस के अलावा, पावर गेम्स और छुपी हुई राजनीति भी चलती है। यह सीरीज दिखाती है कि कैसे चमकदार लाइफस्टाइल के पीछे कई बार गहरे राज और संघर्ष छिपे होते हैं। यह वेब सीरीज 18 जून को हंगामा ओटीटी पर रिलीज होगी।

कॉकटेल 2 में फिर गूंजेगा तुम ही हो बंधु, नए म्यूजिक वर्जन में दिखा शाहिद, रश्मिका और कृति का जबरदस्त डांस

बॉलीवुड में कुछ गाने ऐसे होते हैं, जो रिलीज के सालों बाद भी लोगों की यादों में बसे रहते हैं। ऐसा ही एक लोकप्रिय गाना फिल्म %कॉकटेल% का %तुम ही हो बंधु% है। यह आज भी म्यूजिक लवर्स के बीच काफी पॉपुलर है। अब यह आइकॉनिक ट्रैक फिल्म %कॉकटेल 2% के जरिए एक बार फिर नए अंदाज में लौटने जा रहा है। यह गाना पूरी तरह नए म्यूजिक टच और मॉडर्न साउंड के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स का कहना है कि पुराने गाने को नए अंदाज में पेश करना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है, क्योंकि लोगों की इमोशन्स उससे जुड़े होते हैं और किसी भी तरह का बदलाव सावधानी से करना पड़ता है। इस मौके पर अभिनेता शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर गाना की झलक साझा की। वीडियो में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन गाने पर जबरदस्त डांस करते दिखाई दे रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ शाहिद ने कैप्शन में लिखा, %%फिल्म %कॉकटेल 2% 19 जून को रिलीज होने वाली है और हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं।%%

इस गाने का ओरिजिनल वर्जन मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर प्रीतम चक्रवर्ती ने तैयार किया था। इसके बोल प्रसिद्ध गीतकार इरशाद कामिल ने लिखे थे, जबकि इसे कविता सेठ और नीरज श्रीधर ने गाया था। यह गाना अपनी एनर्जी, मस्ती और दोस्ती के लिए जाना जाता है।

अब इस नए वर्जन को संगीत निर्माता अभिजीत वघानी ने तैयार किया है। उन्होंने इस गाने को नए जमाने के म्यूजिक स्टाइल के अनुसार ढालने की कोशिश की है, ताकि यह आज की युवा पीढ़ी को भी पसंद आए और साथ ही पुराने फैंस की यादों को भी बरकरार रखे।

अभिजीत वघानी ने कहा, %%इतने लोकप्रिय और पसंद किए जाने वाले गाने को दोबारा बनाना आसान काम नहीं है। इस गाने की सबसे बड़ी ताकत इसका टाइमलेस चार्म है, जिसे लोग आज भी महसूस करते हैं। इसलिए इसे दोबारा बनाते समय हमें खास ध्यान रखना पड़ा। हमारा मकसद था कि गाने का पुराना जादू बना रहे, लेकिन उसमें नए म्यूजिक टेक्सचर और मॉडर्न टच जोड़ा जाए, ताकि यह आज के समय के हिसाब से और भी आकर्षक लगे। इस नए वर्जन में पुराने और नए दोनों तरह के म्यूजिक का मेल देखने को मिलेगा।%%

इससे पहले फिल्म %कॉकटेल 2% के मेकर्स ने इसके कुछ अन्य गाने भी रिलीज किए थे, जिनमें %तुझको%, %वल्लाह%, %माशूका% और %जब तलक% शामिल हैं। इन गानों को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और फिल्म को लेकर पहले से ही चर्चा बनी हुई है।

फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में नयी उम्मीदों का कैरियर

हेल्थ कम्युनिकेशन विशेषज्ञ का कार्य स्वास्थ्य संबंधी जटिल जानकारियों को सरल, विश्वसनीय और प्रभावी रूप में लोगों तक पहुंचाना है। वह पेशेवर डॉक्टर और आम जनता के बीच एक सेतु की भूमिका निभाता है। नामी अस्पताल , चिकित्सा क्षेत्र की कंपनियां, स्वास्थ्य पत्रिकाएं, हेल्थ चैनल और डिजिटल प्लेटफॉर्म इन पेशेवरों को रोजगार प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में फ्रीलांस के लिए भी काफी अच्छे अवसर हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। नये अस्पताल खुल रहे हैं, स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ रहा है। डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म लोकप्रिय हो रहे हैं और सरकार भी टीकाकरण, पोषण, एनिमिया, टीबी, मानसिक स्वास्थ्य तथा जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर बड़े स्तर पर जागरुकता अभियान चला रही है। लेकिन एक बड़ी समस्या अब भी बनी हुई है- चिकित्सकीय जानकारी आम लोगों तक उनकी भाषा में और उनकी समझ के अनुरूप नहीं पहुंच पातीं। यहीं से शुरू होता है हेल्थ कम्युनिकेशन विशेषज्ञ का काम। यह पेशेवर डॉक्टर और आम जनता के बीच एक सेतु की भूमिका निभाता है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी जटिल जानकारियों को सरल, विश्वसनीय और प्रभावी रूप में लोगों तक पहुंचाने का है। हेल्थ कम्युनिकेशन विशेषज्ञ कई तरह की जिम्मेदारियां एक साथ निभाता है। यह स्वास्थ्य विषयों पर लेख लिखता है, रिपोर्ट और जागरुकता सामग्री तैयार करता है, अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए सूचना सामग्री बनाता है तथा सोशल मीडिया स्वास्थ्य अभियान को डिजाइन करता है। इसके अलावा रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम चलाता है। सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी को यह आम लोगों तक पहुंचाने का काम भी करता है। डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के इंटरव्यू तथा कंटेंट तैयार करना, वीडियो, पॉडकॉस्ट और डिजिटल सामग्री भी विकसित करना इसका काम होता है। इस तरह हेल्थ कम्युनिकेशन विशेषज्ञ एनिमिया, टीबी, मधुमेह पर अभियानों को डिजाइन करने का जिम्मेदार होता है और यह सुनिश्चित करता है कि संबंधित स्वास्थ्य संदेश सही माध्यम और तरीके से लोगों तक पहुंचे। पेशे की जरूरी योग्यता

किसी भी विषय में 12वीं पास होना या किसी भी विषय में स्नातक होना, इसके लिए न्यूनतम योग्यता है।

जब नसीम बानो ने दिलीप कुमार को बेटी सायरा से मिलवाया, फिर बदल गई दोनों की जिंदगी

हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री नसीम बानो को अपने दौर की %ब्यूटी क्वीन% कहा जाता था। उनकी खूबसूरती के किस्से दूर-दूर तक मशहूर थे और उनकी अदाकारी ने लाखों लोगों का दिल जीता था। नसीम बानो ने न सिर्फ फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई, बल्कि अपने परिवार की जिंदगी में भी अहम भूमिका निभाई। खास तौर पर बेटी सायरा बानो और दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार की शादी के पीछे भी उनका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। उनकी पुण्यतिथि पर जानते हैं, उनकी जिंदगी और करियर की पूरी कहानी। नसीम बानो का जन्म 4 जुलाई 1916 को पुरानी दिल्ली में रोशन आरा बेगम के रूप में हुआ था। उनकी मां चाहती थीं कि उनकी बेटी पढ़-लिखकर डॉक्टर बने, लेकिन नसीम का मन फिल्मों की दुनिया में बसता था। कहा जाता है कि बचपन से ही वह फिल्मों और कलाकारों को देखकर प्रभावित होती थीं। एक बार फिल्म की शूटिंग देखने के दौरान उनकी मुलाकात मशहूर फिल्मकार सोहराब मोदी से हुई, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म में काम करने का ऑफर दिया। शुरुआत में उनकी मां ने इस ऑफर को ठुकरा दिया, लेकिन नसीम की जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ा। साल 1935 में नसीम बानो ने फिल्म %खून का खून% से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया

लेकिन असली पहचान उन्हें 1939 में आई फिल्म %पुकार% से मिली। इस फिल्म में उन्होंने नूरजहां का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

सेमीकंडक्टर तकनीक के उभरते क्षेत्र में अपार संभावनाएं

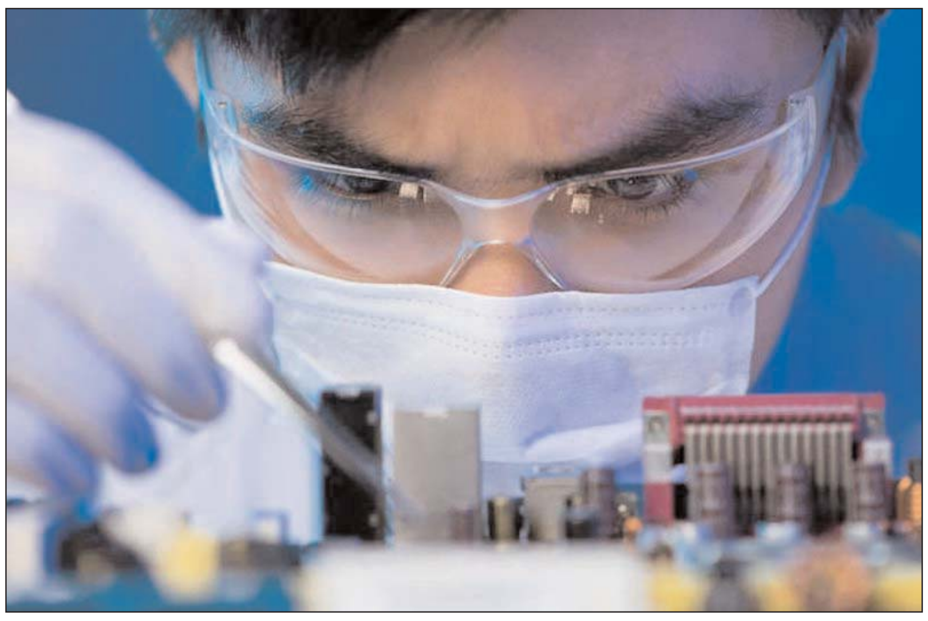

आजकल देश में ज्यादा ध्यान सेमीकंडक्टर के निर्माण में आत्मनिर्भर बनने पर है, क्योंकि मोबाइल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, 5जी नेटवर्क, एआई उपकरणों में चिप्स की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग का स्कोप वर्तमान समय में काफी अच्छा माना जा रहा है और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावना है। यदि आपकी रुचि इलेक्ट्रॉनिक्स, चिप डिजाइन, कंप्यूटर हार्डवेयर या नई तकनीकों में है, तो सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग भारत में एक उभरता हुआ और दीर्घकालिक कैरियर विकल्प है। सेमीकंडक्टर के बिना आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कल्पना करना कठिन है। कंप्यूटर, मोबाइल, सोलर पैनल, सेंसर और संचार प्रणालियां, सभी सेमीकंडक्टर तकनीक पर निर्भर हैं। भारत सरकार का सेमीकंडक्टर निर्माण और चिप डिजाइन पर विशेष ध्यान है। इसलिए आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में रोजगार और शोध के अवसर तेजी से बढ़ने की संभावना है। भारत में सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग का स्कोप वर्तमान समय में काफी अच्छा माना जा रहा है और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावना है। यदि आपकी रुचि इलेक्ट्रॉनिक्स, चिप डिजाइन, कंप्यूटर हार्डवेयर या नई तकनीकों में है, तो सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग भारत में एक उभरता हुआ और दीर्घकालिक कैरियर विकल्प है। अगले कुछ ही वर्षों में यह क्षेत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी इंडस्ट्रीज़ में से एक बन सकता है। सेमीकंडक्टर ऐसे पदार्थ होते हैं जिनकी विद्युत चालकता चालक और कुचालक के बीच होती है। यानी ये बिजली को पूरी तरह से नहीं रोकते, लेकिन उतनी आसानी से भी नहीं बहने देते जितना तांबा जैसी धातुएं बहने देती हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में लाए जाने वाले सेमीकंडक्टर सिलिकॉन और जर्मेनियम हैं। सेमीकंडक्टर की चालकता को नियंत्रित किया जा सकता है। इसी गुण के कारण इनसे ट्रांजिस्टर, डायोड, इंटीग्रेटेड सर्किट, कंप्यूटर चिप्स, मोबाइल फोन के प्रोसेसर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाए जाते हैं सेमीकंडक्टर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स का आधार हैं। इसीलिए कंप्यूटर और मोबाइल चिप्स, प्रोसेसर, मेमोरी चिप और माइक्रोकंट्रोलर बनाने, कंप्यूटर, स्मार्टफोन और टैबलेट, ट्रांजिस्टर और आईसी, रेक्टिफायर, रेडियो और पावर सप्लाई, डायोड, एलईडी और डिस्प्ले, टीवी, मोबाइल स्क्रीन, बल्ब और डिस्प्ले, सोलर पैनल्स, सोलर सेल्स, तापमान, प्रकाश, दबाव और गैसों को मापने वाले सेंसर्स, संचार प्रणालियों, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट उपकरण और उपग्रह संचार में सेमीकंडक्टर का उपयोग होता है। सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग की वह शाखा है जिसमें सेमीकंडक्टर पदार्थों (जैसे सिलिकॉन) का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक चिप, ट्रांजिस्टर, इंटीग्रेटेड सर्किट, माइक्रोप्रोसेसर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डिजाइन, निर्माण और परीक्षण किया जाता है। इसके लिए सेमीकंडक्टर इंजीनियर माइक्रोचिप और इंटीग्रेटेड सर्किट का डिजाइन बनाते हैं। चिप निर्माण की प्रक्रिया विकसित और नियंत्रित करते हैं। चिप्स की गुणवत्ता और प्रदर्शन का परीक्षण करते हैं तथा नई और अधिक तेज, ऊर्जा-कुशल तकनीकों पर शोध करते हैं। सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर भौतिकी, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, वीएलएसआई, नैनो टेक्नोलॉजी, चिप डिजाइन और फैब्रिकेशन आदि विषयों की पढ़ाई की जाती है। सेमीकंडक्टर इंजीनियर इंटेल, एएमडी, एनवीडिया, क्वालकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार उद्योग के साथ-साथ कंप्यूटर निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहनों, मोबाइल इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा तथा अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों में महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। इस समय भारत सरकार का ज्यादा से ज्यादा ध्यान सेमीकंडक्टर के निर्माण में आत्मनिर्भर बनने पर है, क्योंकि मोबाइल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, 5जी नेटवर्क, एआई उपकरणों में चिप्स की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।